कोटद्वार, शुक्रवार
13 दिसम्बर 2024
वर्षः 46
अंकः 217 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

शीतकालीन यात्रा शुरू, सड़क का कब होगा सुधार

चमोली : सरकार ने उत्तराखण्ड के चार धामों के गद्दी स्थलों पर शीतकालीन यात्रा करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केदारनाथ के शीतकालीन पूजा स्थल ऊखीमठ पहुंच कर इसकी शुरुआत भी कर दी है। शीतकालीन यात्रा के लिए व्यवस्थाओं को पुख्ता करने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिये हैं। मगर बदरीनाथ हाईवे पर अभी भी 21 स्लाइड जोन जो संवेदनशील हैं। उनका सुधारीकरण नहीं हो सका है। इनका शीघ्र ट्रीटमेंट होना जरूरी है। बदरीनाथ के विधायक लखपत सिंह बुटोला ने गुरुवार को बताया बदरीनाथ हाईवे के स्लाइड जोनों का सुधारीकरण समय पर किया जाय। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री बताया कि बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर कमेडा, नंदप्रयाग, पागल नाला सहित 21 स्लाइड जोन पर अभी तक एनएचआईडीसीएल द्वारा ट्रीटमेंट कार्य शुरू नहीं किया गया है, जिसे शीघ्र शुरू कराया जाना आवश्यक होगा। बदरीनाथ हाईवे के संवेदनशील स्लाइड जोनों के साथ ही राजकीय सड़कों के स्लाइड जोनों की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं है। बर्फ पड़ने पर सड़कों की स्थिति और भी खराब हो जाती है। स्लाइड जोनों के साथ साथ पाले से भी सड़कों को सुरक्षित रखना चुनौती बनेगा। (एजेंसी)

15 को बंद होंगे आदिबद्री मंदिर समूह के कपाट

चमोली : पंच बदरी में से एक आदिबदरी मंदिर समूह के कपाट शीतकाल के लिए 15 दिसंबर को शाम साढ़े सात बजे एक माह के लिए आम श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए जाएंगे। इस मंदिर के कपाट प्रतिवर्ष पौष माह में बंद रहते हैं तथा माघ माह के प्रथम दिन विधि विधान से आम श्रद्धालुओं के लिए खोले जाने की परंपरा चली आ रही है। मंदिर समिति के अध्यक्ष जेपी बहुगुणा ने बताया कि 15 दिसंबर को स्थानीय विद्यालयों एवं ममंदलों द्वारा मंदिर परिसर में भक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन किया जायेगा, तथा शाम साढ़े सात बजे मंदिर के कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए जाएंगे।

मृत माता–पिता के नाम पर डीलर ने लिया राशन, लाइसेंस निलंबित

हरिद्वार। पथरी क्षेत्र के गांव पदार्थी स्थित वन गुर्जर बस्ती में सरकारी सस्ते–गल्ले की दुकान से डीलर ने अपने मरे हुए माता और पिता के नाम पर राशन ले लिया। इस बात का खुलासा तब हुआ, जब गांव के लोगों ने प्रशासन से शिकायत की। जांच में मामला सही पाए जाने पर डीलर का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा भी राशन वितरण में कई अन्य तरह की अनियमितताएं भी सामने आई हैं। गांव पदार्थी स्थित वन गुर्जर बस्ती में सरकारी सस्ते–गल्ले की दो दुकान आवंटित की गई है। आरोप है कि एक दुकान के राशन डीलर गनी ने राशन वितरण में गड़बड़ी की। गुर्जर बस्ती निवासी जुम्मन और मियां ने राशन डीलर के खिलाफ सूचना का अधिकार के तहत कुछ सूचना मांगी थी। सूचना में पता चला कि डीलर ने मृतक का राशन भी वितरण किया हुआ है और उसके हस्ताक्षर भी किए हुए हैं। इसके अलावा कुछ व्यक्तियों के राशन में डीलर ने गड़बड़ी की हुई है। इतना ही नहीं, डीलर ने अपने मृतक माता–पिता का राशन भी वितरित किया हुआ दिखाया है, जबकि उनके पिता का पहले ही देहांत हो चुका है। डीलर की ओर से अधिकांश कार्ड पर राशन नहीं दिया जा रहा है, जबकि डीलर ने उनका राशन रजिस्टर में चढ़ाया हुआ है। सूचना के अधिकार में प्राप्त सूचना पर दुकान व अभिलेखों की जांच की गई तो मामला सही पाया गया। फिलहाल, खाद्य पूर्ति अधिकारी की जांच के बाद जिलाधिकारी ने अग्रिम आदेशो तक डीलर की दुकान को निरस्त कर दिया है।

बहुत सुलभ है एम्स की हेली एम्बुलेंस मेडिकल सेवा

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश की हेली एंबुलेंस सेवा का लाभ लेने के लिए गुरुवार को टोल फ्री नंबर 18001804278 जारी कर दिया गया। चौबीस घंटे कार्य करने वाले टोल फ्री नंबर 18001804278 पर फोन करके आसानी से इस सेवा का लाभ लिया जा सकता है। इसके साथ ही आपात स्थिति में फंसे व्यक्ति की मेडिकल रिपोर्ट को देखने अथवा अन्य जानकारियां प्राप्त करने के लिए अब वाट्सऐप नंबर 9084670331 भी जारी कर दिया गया है, जिसमें संबन्धित रोगी की डिटेल भी भेजी जा सकेगी।

चार आरोपियों के खिलाफ केस, 3 हुए बरी

हाथरस बलात्कार मामला

नई दिल्ली, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को 19 साल की उस लड़की के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की, जिसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था और 29 सितंबर 2020 में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी. इतना ही नहीं 30 सितंबर को उसके घर के पास ही उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया. मृतक लड़की के परिवार ने आरोप लगाया कि पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने में देरी की और जल्दबाजी में उसका अंतिम संस्कार कर दिया. इतना ही नहीं इस दौरान पुलिस ने उन्हें घर में बंद कर दिया था. हालांकि, स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने कहा कि देह संस्कार परिवार की इच्छा के अनुसार किया गया था. मामले से निपटने के तरीके को लेकर आलोचनाओं का सामना करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने सीबीआई जांच की सिफारिश की. देशव्यापी आक्रोश के बीच 10 अक्टूबर को सीबीआई ने अपनी जांच शुरू की. सीबीआई ने मामले में चार लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 (रेप), 376 ए (पीड़िता की मृत्यु या उसे अचेत अवस्था में छोड़ देना), 376 डी (गैंग रेप) और 302 (हत्या) के साथ–साथ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3(2) (वी) (एससी/एसटी के खिलाफ अपराध) के तहत बलात्कार और हत्या का आरोप लगाया था. उस समय तक आरोपी पहले ही गिरफ़्तार हो चुके थे. इसके बाद हाथरस की एससी/एसटी अदालत में चार लोगों– संदीप, रामू, लवकुश और रवि के खिलाफ हत्या के प्रयास, गैंग रेप और एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के उल्लंघन के आरोपों के तहत मुकदमा शुरू हुआ. 2 मार्च 2023 को उत्तर प्रदेश की एक अदालत ने 2020 के हाथरस मामले में आरोपी चार में से तीन को बरी कर दिया. रिपोर्टें के अनुसार, संदीप सिसोदिया को गैर इरादतन हत्या और एससी/एसटी अधिनियम की धाराओं के तहत दोषी पाया गया,

जम्मू–कश्मीर के राजौरी में सेना के जवान ने सर्विस राइफल से गोली मारकर की आत्महत्या

श्रीनगर,जम्मू–कश्मीर के राजौरी जिले में तैनात एक सेना के जवान ने कथित तौर पर अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।सैनिक की पहचान हवलदार इंदेश कुमार के रूप में हुई है। वह मंजाकोट इलाके के अंजनवाली गांव में अपने कैंप में संतरी की ड्यूटी पर तैनात थे।इंदेश कुमार ने मंगलवार रात को खुद को गोली मारी है। आत्महत्या के कारण सामने नहीं आए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इससे पहले उधमपुर जिले के रहमबल क्षेत्र में भी ऐसी घटना हुई थी, जिसमें जम्मू–कश्मीर पुलिस के एक हेड कांस्टेबल ने अपने सहकर्मी को गोली मारकर खुद को भी गोली मार ली।इनकी पहचान हेड कांस्टेबल मलिक और कांस्टेबल (ड्राइवर) मंजीत सिंह के रूप में हुई। घटना सुबह 6:30 बजे सोपोर से रियासी जिले में सहायक प्रशिक्षण केंद्र जाते समय हुई थी।पुलिस अधिकारी ने बताया कि मलिक एके–47 से गोली मारी थी। यह आपसी रंजिश का मामला था। जनवरी से दिसंबर तक एक साल के अंदर जम्मू–कश्मीर में तैनात कई जवानों ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की कोशिश की है, जिसमें कुछ की मौत हुई है।

राज्य की आर्थिकी बढ़ाने के लिए नवाचार पर विशेष ध्यान दें : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को सचिवालय में सशक्त उत्तराखण्ड /2025 की समीक्षा करते हुए कहा कि पूर्व में उत्तराखण्ड के रजत उत्सव वर्ष तक सभी विभागों को दो-दो गेम चेंजर योजनाओं पर कार्य करने के निर्देश दिये गये थे। सभी विभागों को उन्होंने इस संबंध में हुई कार्य प्रगति का स्पष्ट विवरण आगामी बैठक में उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2027 तक राज्य की जीएसडीपी दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए सभी विभाग अल्पकालिक, मध्यकालिक तथा दीर्घकालिक योजना के अनुसार तेजी से कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित किया जाए कि जो भी कार्य किये जाएं उनका परिणाम धारातल पर पूर्ण रूप से दिखाई दे। कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। कार्यों में तेजी लाने के लिए सचिव और विभागाध्यक्षों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदर्श उत्तराखण्ड की दिशा में तेजी से कार्य किया जाना अधिकारियों का दायित्व है। राज्य की आर्थिकी बढ़ाने के लिए नवाचार पर विशेष ध्यान दिया जाए। कृषि, बागवानी, ऊर्जा, पर्यटन, आयुष जैसे क्षेत्रों में राज्य में अनेक संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों में रोजगार की भी अपार संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन्वेस्टर समिट के दौरान आये निवेश प्रस्तावों की तेजी से ग्राउंडिंग हो, इसके लिए और प्रभावी प्रयास किये जाएं। बैठक में उपाध्यक्ष अवस्थापना अनुश्रवण परिषद विश्वास डाबर, सेतु के उपाध्यक्ष राजशेखर जोशी, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, दिलीप जावलकर, डॉ. बी.वी.आर.सी पुरूषोत्तम, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, डॉ. रंजीत सिन्हा, विनय शंकर पाण्डेय, एस.एन पाण्डेय एवं सबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

तलाक के मामलों में कैसे निर्धारित होगा गुजारा भत्ता?

सुप्रीम कोर्ट ने तय किए 8 कारक

नईदिल्ली,बेंगलुरु में इंजीनियर अतुल सुभाष के आत्महत्या करने की घटना ने देश की न्याय व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर दिए।इसके बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने तलाक के मामलों में गुजारा भत्ता तय करने का 8 कारक निर्धारित किए हैं।बता दें, अतुल ने अपने सुसाइड नोट में अपनी पत्नी और ससुराल वालों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है और देश की न्याय व्यवस्था की भी आलोचना की है।आइए जानते हैं कोर्ट ने कौनसा फार्मूला निर्धारित किया है।

बिहार निवासी अतुल ने आत्महत्या करने से पहले 80 मिनट का एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसमें उन्होंने अपनी अलग रह रही पत्नी निकिता सिंघानिया और उसके परिवार पर पैसे ऐंठने के लिए उन पर और उनके परिवार पर 9 मामले दर्ज करने का आरोप लगाया था।उन्होंने बताया था कि ये सभी मामले कोर्ट में हैं और उन्हें लगातार तारीखें दी जा रही है। इन सबसे परेशान होकर उन्होंने अपनी जिंदगी को खत्म करने का फैसला किया है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस पीवी वराले की पीठ ने मंगलवार को प्रवीण जैन और अंजू जैन नामक दंपति के तलाक मामले की सुनवाई में फैसला सुनाते हुए गुजारा भत्ता राशि पर निर्णय देते के लिए 8 कारक निर्धारित किए हैं।पीठ ने देश भर की सभी अदालतों को सलाह दी कि वो अपने इस तरह के आदेश फैसले में उल्लिखित कारकों को आधार बनाए। ऐसे में अब गुजारा भत्ता तय करने में अलादलों को आसानी होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने पति–पत्नी की सामाजिक और आर्थिक हैसियत, भविष्य में पत्नी–बच्चों की बुनियादी जरूरतें, दोनों पक्षों की योग्यता और रोजगार, आमदनी के साधन और सम्पदा, पत्नी का ससुराल में रहते हुए रहन–सहन का स्तर, क्या परिवार की देखभाल के लिए नौकरी छोड़ी है, नौकरी न करने वाली पत्नी के लिए कानूनी लड़ाई की उचित रकम और पति की आर्थिक हैसियत, उसकी कमाई और गुजारे–भत्ते के साथ अन्य जिम्मेदारियों पर ध्यान देते हुए गुजरा भत्ता तयर करने को कहा है।

कोर्ट ने गुजारा भत्ता के लिए कारक निर्धारित करने के साथ कहा, उपरोक्त कारक कोई सीधा–सादा फार्मूला नहीं बनाते, बल्कि स्थायी गुजारा भत्ता तय करते समय दिशा–निर्देश के रूप में काम करते हैं। गुजारा भत्ता की राशि इस तरह से तय की जानी चाहिए कि पति को दंडित न किया जाए, बल्कि पत्नी के लिए एक सभ्य जीवन स्तर सुनिश्चित हो।कोर्ट ने कहा कि काई भी अदालत दंडित करने के इरादे से गुजरा भत्ता तय नहीं कर सकती। अतुल और निकिता ने मैचमेकिंग वेबसाइट के जरिए 2019 में शादी की थी। 2020 में दोनों के एक बेटे हुआ।अतुल का आरोप है कि निकिता का परिवार अक्सर उससे लाखों रुपये की मांग करता था। पैसे देने से मना करने पर निकिता 2021 में बच्चे के साथ घर छोडक़र चली गई।इसके बाद पत्नी और उसके परिजनों ने उसके खिलाफ 9 केस दर्ज करा दिए और मामला रफा–दफा करने के लिए 3 करोड़ रुपये की मांग की थी।

विभाग की छापेमारी से हड़कंप, मेडिकल स्टोर बंद कर भागे संचालक

हरिद्वार। रावली मेहदूद ब्रह्मपुरी क्षेत्र में ड्रग्स विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने विभिन्न मेडिकल स्टोर पर छापेमारा। जिससे मेडिकल स्टोर संचालकों में हड़कंप मच गया। कई दवाई विक्रेता दुकाने बंद कर फरार हो गए। वहीं, अनियमितताएं मिलने पर ड्रग्स इंस्पेक्टर अनिता भारती ने चार मेडिकल स्टोर को बंद करा दिया है। पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में नियमों का उल्लंघन कर प्रतिबंधित दवाइयों की बिक्री और बच्चों के माध्यम से दवाइयां वितरित किए जाने की शिकायतें ड्रग्स विभाग को मिल रही थी। इस पर गुरुवार को ड्रग्स विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने सिडकुल थाना क्षेत्र के ब्रह्मपुरी, रावली मेहदूद, बैरियर नंबर छह क्षेत्र में मेडिकल स्टोर पर दवाइयों की जांच की। ड्रग इंस्पेक्टर ने सभी मेडिकल स्टोर्स संचालकों को चेतावनी दी कि बिना लाइसेंस के दवा वितरण किया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान ड्रग्स इंस्पेक्टर अनिता भारती ने बताया कि लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

रेप के आरोपी ने जमानत से बाहर आकर की पीड़िता की हत्या

अलग–अलग जगहों पर फेंके शव के टुकड़े

झारसुगुड़ा,ओडिशा में एक शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है. नाबालिग लडक़ी से रेप मामले के आरोपी जमानत पर जेल से बाहर आया और कथित तौर पर पीड़िता की हत्या कर दी. उसके बाद उसने शव के पहले कई टुकड़े किए और फिर उन टुकडों को अलग–अलग जगहों पर फेंक दिया. इस बात की जानकारी पुलिस ने दी. पुलिस ने बताया कि पिछले साल अगस्त में रेप के आरोपी कुनु किशन को सुंदरगढ़ जिले में नाबालिग से रेप के आरोप में गिरफ्तार किया गया था. पीड़िता ने धारुआडीह पुलिस स्टेशन में रेप का केस दर्ज कराया था. वहीं, पिछले साल दिसंबर में आरोपी जेल से रिहा हुआ. झारसुगुड़ा के एसपी परमार स्मित पुरुषोत्तमदास ने जानकारी दी कि इस महीने की 7 तारीख को पीड़िता के परिजनों ने उसके लापता होने की शिकायत दर्ज करवाई. जांच की गई तो सीसीटीवी में पाया गया कि वह दो व्यक्तियों के साथ एक बाइक पर जा रही है. बाइक पर सवार दोनों लडक़ों ने हेलमेट पहना हुआ था इस वजह से उनके चेहरे दिखाई नहीं दिए. हालांकि पीड़िता सुंदरगढ़ जिले की मूल निवासी थी, लेकिन वह अपनी रिश्तेदार के घर झारसुगुड़ा शहर में रह रही थी. एसपी ने यह भी बताया कि एआई तकनीक के जरिए हमने सुंदरगढ़ में आरोपी का पता लगाया. पूछताछ के दौरान, आरोपी ने बताया कि उसने लडक़ी की हत्या की थी और उसके शरीर के अंगों को दो अलग–अलग जगहों पर फेंक दिया था.

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज के वक्तव्य पर राज्यसभा में चर्चा की मांग

नई दिल्ली, इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज द्वारा दिए गए कथित विवादित बयान का मुद्दा गुरुवार को राज्यसभा में उठाया गया। कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज द्वारा दिए गए वक्तव्य पर नियम 267 के तहत चर्चा की मांग की। हालांकि सभापति ने इस विषय पर चर्चा की अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा कि नियम 267 के तहत इस पर चर्चा नहीं हो सकती। सभापति ने कहा कि इस संदर्भ में नियम बहुत स्पष्ट है जो कि हम ही लोगों द्वारा बनाया गया है।

गौरतलब है कि इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज जस्टिस शेखर कुमार यादव ने बीते दिनों प्रयागराज में आयोजित विश्व हिंदू परिषद की लीगल सेल के एक कार्यक्रम में यह कथित विवादित बयान दिया था। कांग्रेस की रेणुका चौधरी इसी बयान पर विरोध दर्ज कराते हुए सदन में इसकी चर्चा करना चाहती थीं लेकिन उनको इसकी अनुमति नहीं मिली। इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा की मांग कर रहे विपक्ष ने कई अन्य विषयों पर भी नियम 267 के तहत नोटिस दिए थे लेकिन उन सभी को अस्वीकृत कर दिया गया। इस पर विपक्ष ने अपनी आपत्ति जताई और सदन में हंगामा शुरू हो गया। विपक्ष द्वारा विरोध किए जाने पर नेता सदन व केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि चेयर के निर्णय पर इस तरह से प्रश्न नहीं उठाए जा सकते। उन्होंने कहा यदि ऐसा किया जाता है तो यह आसन और सदन दोनों की अवमानना है। नड्डा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक प्रेस वार्ता करके आसन की निंदा की। यह गलत परंपरा को रास्ता दिखाता है और उनके इस कदम की निंदा की जानी चाहिए। राज्यसभा के सभापति के खिलाफ विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है। इस मुद्दे पर बुधवार को इंडिया ब्लॉक के अधिकांश घटक दल एक साथ दिल्ली में एक मंच पर आए थे। यहां राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आज सदन में नियम कम और राजनीति ज्यादा हो रही है।

एनआरसी के लिए अप्लाई नहीं किया तो नहीं मिलेगा आधार कार्ड

गुवाहाटी,असम की हिमंत बिस्वा सरकार ने एनआरसी को लेकर बड़ा फैसला किया है. मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया है कि एनआरसी के लिए आवेदन करना जरूरी है. वहीं, जिन लोगों ने एनआरसी के लिए अप्लाई नहीं किया है, उन्हें आधार कार्ड भी नहीं मिलेगा. मुख्यमंत्री ने बताया कि यह फैसला कैबिनेट की मीटिंग में किया गया है. कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने दिसपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया. मुख्यमंत्री ने कहा कि बीएसएफ, असम पुलिस और त्रिपुरा पुलिस ने कई बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है. बांग्लादेशियों की घुसपैठ हमारे लिए चिंता बनती जा रही है. उन्होंने कहा कि हम इसे मजबूत करना चाहते हैं और बीएसएफ के साथ समन्वय करके और भी कड़े कदम उठाना चाहते हैं. इसी कड़ी के तहत असम कैबिनेट ने आधार कार्ड जारी करने की प्रक्रिया को बहुत सख्त और कठोर बनाने का फैसला किया है.

अभिजीत इंफ्रास्ट्रक्चर के एमडी को 4 साल, पूर्व डायरेक्टर को तीन साल कैद की सजा

–झारखंड कोयला ब्लॉक आवंटन घोटाला

नई दिल्ली,राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 2005 में झारखंड में कोयला ब्लॉक आवंटन घोटाला के मामले में अभिजीत इंफ्रास्ट्रक्चर के मैनेजिंग डायरेक्टर को चार साल और पूर्व डायरेक्टर को तीन साल की कैद की सजा सुनाई है. कोर्ट ने कंपनी पर तीस लाख रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश दिया है. स्पेशल जज अरुण भारद्वाज ने ये आदेश दिया. कोर्ट ने अभिजीत इंफ्रास्ट्रक्चर के मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज कुमार जायसवाल को चार साल और पूर्व डायरेक्टर रमेश कुमार जायसवाल को तीन साल कैद की सजा सुनाई है. कोर्ट ने 9 दिसंबर को तीनों को दोषी करार दिया था. कोर्ट ने झारखंड के बृंदा, सिसई और मेराल में 2005 में अभिजीत इंफ्रास्ट्रक्टर को कोयला ब्लॉक आवंटन के मामले में कंपनी अभिजीत इंफ्रास्ट्रक्चर, इसके मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज कुमार जायसवाल और पूर्व डायरेक्टर रमेश कुमार जायसवाल को दोषी ठहराया था. सीबीआई के मुताबिक अभिजीत इंफ्रास्ट्रक्चर ने लोकसेवकों के साथ साजिश रचकर कोयला ब्लॉक का आवंटन हासिल किया था. कंपनी पर अपने वित्तीय स्थिति को गलत ढंग से प्रस्तुत करने का आरोप है.सीबीआई के मुताबिक अभिजीत इंफ्रास्ट्रक्चर ने भूमि अधिग्रण, मशीनरी की खरीद और प्लांट चलाने के लिए वित्तीय सहयोग संबंधी फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कोयला ब्लॉक का आवंटन हासिल किया. कंपनी ने कोयला ब्लॉक का आवंटन हासिल करने के लिए हजारीबाग में भूमि खरीदने का फर्जी दस्तावेज पेश किया था. फर्जी दस्तावेजों के जरिये कंपनी ने स्टील मंत्रालय से अपने पक्ष में सिफारिश हासिल की. जिसके बाद उसे कोयला ब्लॉक का आवंटन हासिल हुआ.कोर्ट ने पाया कि फर्जी तरीके से कोयला ब्लॉक का आवंटन हासिल करने से सार्वजनिक धन का नुकसान हुआ. इस मामले में सीबीआई ने 2016 में एफआईआर दर्ज की थी. सीबीआई ने 2020 में चार्जशीट दाखिल की. सीबीआई ने चार्जशीट में कंपनी और दोनों आरोपियों के खिलाफ आपराधिक साजिश रचने, धोखाधड़ी और फर्जीवाड़ा करने का आरोप लगाया था.

चुनाव से पहले दिल्ली की महिलाओं को लेकर बड़ा फैसला

–कैबिनेट ने मुख्यमंत्री महिला सम्मान निधि को दी मंजूरी

नई दिल्ली,चुनावी साल में आम आदमी पार्टी सरकार ने दिल्ली की महिला वोटरों को लुभाने के लिए बड़ा फैसला लिया है. चालू वित्त वर्ष में दिल्ली में 18 साल और उससे ज्यादा उम्र की महिलाओं को प्रतिमाह 1000 मुख्यमंत्री महिला सम्मान निधि के रूप में देने का सरकार ने ऐलान किया था, उस ऐलान के बाद आज दिल्ली कैबिनेट ने उसे मंजूरी दे दी है. अब इस प्रस्ताव को उपराज्यपाल के पास अंतिम मंजूरी के लिए भेजा जाएगा.

गुरुवार को मुख्यमंत्री आतिशी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना को मंजूरी दे दी. इस योजना के तहत दिल्ली में रहने वाली 18 साल से ऊपर उम्र की महिलाओं को हज़ार रुपये दिए जाएंगे. इस योजना को लेकर सबसे पहले मुख्यमंत्री आतिशी ने चालू वित्त वर्ष का बजट पेश करने के दौरान ऐलान किया था. 4 मार्च को विधानसभा में सरकार ने इस योजना के बारे में घोषणा किया था, जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि, यह दिल्ली की महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में बढ़ाया गया कदम है. अब महिलाओं को सालाना 12 हज़ार रुपए की सौगात मिलने के लिए रास्ता साफ हो गया है. 18 साल से अधिक उम्र की सभी बहन–बेटियों, माताओं और बहनों को अब मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के तहत 1000 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे.बता दें कि पिछले विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल ने 200 यूनिट तक बिजली इस्तेमाल करने वालों को मुफ्त बिजली देने का ऐलान किया था. जो पिछले विधानसभा चुनाव का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ था. उससे पहले तक दिल्ली में प्रतिमाह 400 यूनिट तक बिजली इस्तेमाल करने वाले को बिल में 50 फीसद की छूट मिलती थी. लेकिन वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले केजरीवाल ने 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली का ऐलान कर दिया था. साथ ही दिल्ली की डीटीसी बसों में महिलाओं की मुफ्त बस में सफर का भी ऐलान किया था. अब इस बार दिल्ली सरकार ने महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री महिला सम्मान निधि के तहत प्रतिमाह हजार रुपये देने का ऐलान कर फैसला कर नया दांव खेला है.

जम्मू–कश्मीर के कठुआ में भारत–पाक सीमा के पास मिला पाकिस्तानी गुब्बारा

जम्मू,कठुआ जिले के भारत–पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर राजबाग पुलिस स्टेशन क्षेत्र के पास स्थित लाहरी गांव के खेतों में एक पाकिस्तानी गुब्बारा मिला. स्थानीय पुलिस ने गुब्बारे को जब्त कर लिया. गुब्बारे पर पीआईए (पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस) का चिह्न लगा हुआ है. पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बरामदगी के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. सेना ने जम्मू–कश्मीर के रियासी जिले में आतंकी ठिकाने का पता लगाया और भारी मात्रा में हथियार और गोला–बारूद बरामद किया. राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों ने रियासी जिले के माहौर जंगल में घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान यह सफलता हासिल की.

एनआईए ने जैश–ए–मोहम्मद से जुड़े मामले में 5 राज्यों में छापा मारा

नई दिल्ली,राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बृहस्पतिवार को आतंकी संगठनो से जुड़े संदिग्धों के ठिकानों पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई की. जांच एजेंसी पहले से दर्ज एक मामले की जांच के सिलसिले में यह कार्रवाई की. एनआईए ने जम्मू–कश्मीर, असम, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और गुजरात में 19 स्थानों पर संदिग्धों के ठिकानों पर सुबह ही छापेमारी की. प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश–ए–मोहम्मद से जुड़े संदिग्धों के ठिकानों पर यह कार्रवाई की गई. आरोप है कि देश में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और आतंक फैलाने की साजिश में ये लोग शामिल थे. यह अभियान आतंकवादी दुष्प्रचार के प्रसार और चरमपंथी गतिविधियों का मुकाबला करने के प्रयासों पर केंद्रित बताया गया. यह कदम आतंकवाद निरोधी एजेंसी द्वारा पांच राज्यों में कई स्थानों पर तलाशी लेने और शेख सुल्तान सलाह उद्दीन अयूबी उर्फ अयूबी नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने के दो महीने बाद उठाया गया है. असम, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और जम्मू–कश्मीर राज्यों में 26 स्थानों पर तलाशी के बाद अयूबी को हिरासत में लिया गया. आरोपी को साजिश मामले में उसकी भूमिका के कारण गिरफ्तार किया गया. ऑपरेशन के बाद कई अन्य संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिए गए. तलाशी के दौरान एनआईए की टीमों ने कई आपत्तिजनक दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, पर्चे और पत्रिकाएं जब्त की. एजेंसी द्वारा गिरफ्तार किए गए व्यक्ति से पूछताछ और संदिग्धों के खिलाफ सबूतों की जांच के बाद आज सुबह यह छापेमारी की गई.

सम्पादकीय

मौत के स्पीडब्रेकर

देहरादून की सड़कों पर कुछ दिन पूर्व 6 छात्रों की एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। इसके बाद राजधानी की परिवहन व्यवस्था और सड़कों की दशा पर काफी बहस हुई, कई दिशा निर्देश जारी हुए जिसके तहत वाहनों की रफ्तार कम करने के लिए देहरादून जिलाधिकारी ने सड़कों पर स्पीड ब्रेकर लगाने के फरमान भी जारी कर दिए। अब विभाग की गलती कहें या फिर डीएम साहब की अतिशीघ्रता, जल्दबाजी में बनाए गए डिवाइडर देहरादून के लोगों के लिए काल बन गए। सोशल मीडिया पर तेजी से एक भी वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें घंटाघर के पास बना डिवाइड बेहद खतरनाक साबित हुआ है जिसमें कई लोग चोटिल होते हुए नजर आ रहे हैं। अब सवाल यह उठता है कि जिलाधिकारी क्या केवल दिशा निर्देश देना ही जानते हैं या फिर एक स्पीड ब्रेकर बनाने के लिए क्या मानक तय होने चाहिए इसके बारे में उन्होंने विभागीय अधिकारियों से तकनीकी जानकारियां मांगी भी या नहीं? स्पीड ब्रेकर का भी मानक होता है जिससे कि वाहन चालकों को परेशानियों का सामना न करना पड़े लेकिन यहां विभाग के नाकाबिल कर्मचारियों ने आंख बंद करके सड़कों पर फोड़ों के समान स्पीड ब्रेकर बना दिए। अच्छा हो यदि अब इस कार्य से जुड़े लोगों की कार्य कुशलता की भी डीएम साहब को जरा जांच कर लेनी चाहिए। फरमान जारी करना और उसकी गुणवत्ता व उपयोगिता आमजन के लिए कारगर साबित होना इनमें काफी अंतर है। अगर ऐसे ही मनमानी तरीके से निर्माण एजेंसियां काम कर रही हैं तो समझ लेना चाहिए कि काबिल लोगों के ज्ञान के भरोसे बाकी विकास के कार्य तो रामभरों से ही चल रहे होंगे। कोशिश तो यही की गई थी की तेज रफ्तार से दौड़ते वाहनों पर थोड़ी लगाम कसी जाए ताकि दुर्घटनाएं कम हो लेकिन दुर्घटनाओं के लिए अपनाई जाने वाले उपाय ही यदि जान की आफत बन जाए तो फिर समझ लेना चाहिए कि खोट बनाने वाले के ज्ञान पर ही है। विभाग की कार्य कुशलता का पैमाना तो देखिए की स्पीड ब्रेकर बनाने के बाद भी ना तो उसे पेंट किया गया और ना ही स्पीड ब्रेकर से पहले चेतावनी चिन्ह लगाए गए, यानी कि केवल जिलाधिकारी के आदेशों की किसी तरह खाना पूर्ति करनी थी और वह कर दी गई फिर चाहे किसी की जान जाए चाहे किसी का सिर फूट, इससे निर्माण निर्माण एजेंसी को कुछ लेना—देना नहीं है। असल में सब कुछ ठेकेदारी प्रथा पर ही चल रहा है और ठेकेदार भी शायद उतना ही ज्ञान रखते हैं जितना विभाग के इंजीनियर। जिलाधिकारी देहरादून द्वारा स्पीड ब्रेकर को लेकर जवाब तलब जरूर किया है लेकिन जब तक ऐसे ठेकेदारों और विभागीय अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मिसाल जनता के सामने नहीं रखी जाएगी तब तक एक आदर्श प्रशासनिक व्यवस्था पर विश्वास बनना भी थोड़ा मुश्किल होगा। यही नहीं इस दुर्घटना में चोटिल हुए लोगों को चिन्हित कर उनके नुकसान एवं स्वास्थ्य संबंधी हानि की भरपाई भी विभाग और ठेकेदारों से की जानी चाहिए वह भी हर्जाने के साथ।

खून—खराबे और बर्बादी भरे असद के शासन का अंत

सन 2011 से लेकर आज तक कैद किए गए लोगों में से करीब एक लाख या तो गायब हो गए या उन्हें गायब कर दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रतिनिधियों के मुताबिक, इन लोगों को योजनाबद्ध ढंग से क्रूर यातनाएं दी गईं। करीब 1.20 करोड़ लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए। देश में कई वर्षों तक युद्ध चलता रहा और इस दौरान सीरिया के बड़े शहरों पर असद का नियंत्रण बना रहा। मगर उत्तर—पश्चिम के कुछ पहाड़ी इलाकों में हयात तहरीर अल—शाम (एचईएस), जिसने 2017 में अलकायदा से नाता तोड़ लिया था, का कब्जा रहा।यह इलाका बाकी दुनिया से कटा हुआ था। यह संगठन असद के लिए बहुत मामूली खतरा नजर आता था किंतु उसने अचानक आक्रमण किया और कुछ ही दिनों में अलेप्पो पर कब्जा कर लिया। सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो में विद्रोहियों के कब्जे के कुछ ही दिनों बाद एचटीएस नेता अबू मोहम्मद अल—जोलानी लड़ाकों के घेरे में शहर के प्राचीन किले की सीढ़ियों से शान से नीचे उतरे, जहां उत्साहित भीड़ ने उनका स्वागत किया। जोलानी के पूर्व में अलकायदा से संबंध रहे हैं, जिस कारण अमेरिका ने अभी भी उन पर एक करोड़ डालर का इनाम रखा हुआ है।

श्रुति व्यास

सीरिया के राष्ट्रपति असद भाग गए है। देश में सेना, प्रशासन और सरकार खत्म है। बांग्लादेश की हसीना वाजेद के हालिया पतन के बाद एक और तानाशाह के पतन की कहानी लिखी जा रही है।

राष्ट्रपति के राजधानी दमिश्क से भागने के साथ ही, असद परिवार का सीरिया पर पिछले 50 सालों से चला आ रहा राज खत्म हो गया है।रविवार को सुबह—सुबह विद्रोही बलों ने दमिश्क में जयकारे लगाए। जश्न मनाते हुए हवा में गोलियां चलाईं।

चारों ओर 'अल्लाह—हु—अकबर' की आवाजें गूंजने लगी। विद्रोही जनता को सीरिया पर नियंत्रण कायम करने में केवल 11 दिन लगे। विद्रोहियों के उत्तर—पश्चिमी सीरिया से अपने हमले शुरू करने के बाद से ही असद की सेना पीछे हटती गई, उन्हें विदेशी मदद न के बराबर हासिल हो सकी और उनके वफादारों ने देश छोडक़र भागना शुरू कर दिया। विद्रोहियों के लिए रास्ता साफ होता गया और एक हफ्ते के अंदर देश के पांच प्रांतों की राजधानियों पर असद का नियंत्रण खत्म था। उथलपुथल और अराजकता सीरिया के लिए नई बात नहीं हैं। वहां के लोग मुसीबतों के बीच जीने के आदी हैं। बशर अल—असद के जुल्मों के चलते वहां हालात पहले से ही बहुत खराब थे।खून—खराबा बड़े पैमाने पर हो रहा था और देश रहने लायक नहीं बचा था। फिर रविवार की सुबह देश देश पर इस्लामिक विद्रोहियों का कब्ज़ा हो गया। हालाँकि इससे असद के 24 साल के निर्मम शासन अंत हुआ है, लेकिन देश एक नर्क से निकल कर दूसरे नर्क में धकेल दिए जाने के मानिंद है।पिछली बार 2011 में असद गंभीर संकट में फंसे थे जब सीरिया के कई शहरों में जनता ने उनके सत्ता छोडऩे की मांग करते हुए बगावत की थी।उस समय असद ने सरकार की ताकत का इस्तेमाल अपनी ही जनता के खिलाफ करते हुए विरोध को सख्ती से कुचला था। धीरे—धीरे इस विरोध ने गृहयुद्ध का रूप ले लिया।असद ने अपनी डरावनी जेलों से जेहादी कैदियों को रिहा करके उनकी खिलाफत कर रही ताकतों और जेहादियों के बीच टकराव पैदा करने का प्रयास किया। उसके बाद उन्होंने अपने मुख्य अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी रूस और लंबे समय के इलाकाई दोस्त ईरान की सहायता ली।ईरान ने लेबनान के शक्तिशाली हथियारबंद संगठन हिज्बुल्लाह के साथ मिलकर उन्हें सैनिक सहायता उपलब्ध करवाई जिससे वे देश पर दुबारा अपना नियंत्रण कायम करने में कामयाब रहे।इस गृहयुद्ध में तीन लाख से अधिक लोग मारे गए।

कुछ अनुमानों के मुताबिक मरने वालों की संख्या इससे दोगुनी थी। दसियों हजार लोग जेलों में बंद हैं। सन 2011 से लेकर आज तक कैद किए गए लोगों में से करीब एक लाख या तो गायब हो गए या उन्हें गायबह कर दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रतिनिधियों के मुताबिक, इन लोगों को योजनाबद्ध ढंग से क्रूर यातनाएं दी गईं। करीब 1.20 करोड़ लोग अपने घर छोडऩे को मजबूर हुए। देश में कई वर्षों तक युद्ध चलता रहा और इस दौरान सीरिया के बड़े शहरों पर असद का नियंत्रण बना रहा। मगर उत्तर—पश्चिम के कुछ पहाड़ी इलाकों में हयात तहरीर अल—शाम (एचईएस), जिसने 2017 में अलकायदा से नाता तोड़ लिया था, का कब्जा रहा।यह इलाका बाकी दुनिया से कटा हुआ था। यह संगठन असद के लिए बहुत मामूली खतरा नजर आता था किंतु उसने अचानक आक्रमण किया और कुछ ही दिनों में अलेप्पो पर कब्जा कर लिया।

सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो में विद्रोहियों के कब्जे के कुछ ही दिनों बाद एचटीएस नेता अबू मोहम्मद अल—जोलानी लड़ाकों के घेरे में शहर के प्राचीन किले की सीढ़ियों से शान से नीचे उतरे, जहां उत्साहित भीड़ ने उनका स्वागत किया। जोलानी के पूर्व में अलकायदा से संबंध रहे हैं, जिस कारण अमेरिका ने अभी भी उन पर एक करोड़ डालर का इनाम रखा हुआ है।लेकिन जनता के बीच उसकी सतत मौजूदगी और अपने समर्थकों से सीधे संवाद करने के कारण वे इस विद्रोह के नेता बतौर देखे जाने लगे हैं।राष्ट्रपति के रूप में अपने आखिरी घंटों के दौरान असद ने हालात पर काबू पाने की हरचंद कोशिश की। चारों ओर से घिर जाने के बाद भी उन्होंने अरब देशों से मदद की गुहार लगाना जारी रखा। कई स्त्रोतों के मुताबिक उन्होंने यूएआई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायेद झ्र जो एचटीएस जैसे इस्लामिक समूहों से नफरत के लिए जाने जाते हैं झ्र से भी मदद की भीख माँगी और उन्होंने मिस्र, जार्डन और कई अन्य देशों से भी। लेकिन कोई इस हारी हुई लड़ाई में उनकी मदद के लिए आगे नहीं आया। अब सीरिया पर इस्लामिक विद्रोहियों का कब्जा है। विद्रोही गठबंधन में कई इस्लामिक कट्टरंपथी और नरम धड़े शामिल हैं, जो आपसी मतभेदों के बावजूद असद शासन, इस्लामिक स्टेट और ईरान—समर्थित लड़ाकों से युद्ध करने के मामले में एकमत थे।एचटीएस और सीरियन नेशनल आर्मी (एसएनए), जिसमें विभिन्न विचारधाराओं वाले दर्जनों संगठन सम्मिलित हैं, को तुर्की धन और हथियार मुहैया करवा रहा है। सीरिया पर असद का राज खत्म होना तुर्की के लिए फायदेमंद है। तुर्की के राष्ट्रपति तैय्यब अदीग़ान ने सीरिया में आए बदलाव का स्वागत किया है। शक नहीं कि एचटीएस पर सबसे अधिक प्रभाव तुर्की का ही रहेगा। जल्द ही अमेरिका के राष्ट्रपति बनने वाले डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका को इस झमेले से दूर रखना चाहते हैं। "इस लड़ाई से हमारा कोई लेनादेना नहीं है," उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है। इसी तरह रूस की प्राथमिकता तरतूस में अपने नौसेना अड्डे को बचाए रखना होगा, जो भूमध्य सागर में उसका इकलौता बंदरगाह है। मगर जिस प्रश्न का उत्तर मिलना बाकी है वह यह है कि क्या सीरियाई ओं को अंततः अपने देश का पुनर्निर्माण करने का मौका मिलेगा? अभी तो वहां का माहौल बैचेनी और डर से भरा हुआ है। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि इस्लामिक संगठन एचटीअस तुर्की के काबू में रहेगा, या तुर्की, एचटीएस को उस हमले को रोकने का हुक्म दे सकेगा जिस हमले में एचटीएस को उसकी उम्मीद से ज्यादा कामयाबी हासिल हुई है।

एचटीएस के पास इतने संसाधन नहीं हैं जितने सीरिया जैसे बड़े और विविधतापूर्ण देश का शासन चलाने के लिए जरूरी हैं। हालांकि एचटीएस ने ईसाईयों, अलावातियों और अन्य अल्पसंख्यक समूहों को भरोसा दिलाया है कि वे सुरक्षित रहेंगे लेकिन इस बात की काफी संभावना है कि इनमें से कुछ देश छोडक़र चले जाएं। फिलहाल, सीरियाईओं और सारी दुनिया के लिए राहत की सबसे बड़ी बात यह है कि खून—खराबे और बर्बादी भरे असद के शासन का अंत हो गया है।

भारत की आर्थिक चिंताएं बढ़ी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय बढ़ते हुए रूस—यूक्रेन युद्ध और इस्त्रइल—ईरान संघर्ष के कारण भारत की भी आर्थिक चिंताएं बढ़ गई हैं। ये चिंताएं बढ़ती कीमतों, शेयर बाजार में गिरावट, माल ढुलाई की लागत बढऩे, खाद्य वस्तुओं की महंगाई, भारत से चाय, मशीनरी, इस्पात, रत्न, आभूषण तथा फुटिवयर जैसे क्षेत्रों में निर्यात आदेशों में कमी, निर्यात के लिए बीमा लागत में वृद्धि तथा युद्ध में उलझें हुए देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार में कमी के रूप में दिखाई दे रही हैं। स्थिति यह है कि वैश्विक शेयर बाजार के साथ—साथ भारत के शेयर बाजार पर भी असर पडऩा शुरू हुआ है। पश्चिम एशिया संकट और चीन से सरकारी प्रोत्साहन के दम पर बाजार चढऩे के मद्देनजर भारत के शेयर बाजार में कुछ विदेशी निवेशकों के द्वारा जोखिम वाली संपत्तियां बेची जा रही हैं और वे अपना बड़ी संख्या में निवेश निकाल रहे हैं। स्थिति यह है कि सेंसेक्स और निफ्टी के लिए अक्टूबर और नवम्बर 2024 दो साल की बड़ी गिरावट के महीनों के रूप में दिखाई दे रहे हैं। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की खरीदी का भी रु ख कर रहे हैं। इससे वैश्विक स्तर के साथ—साथ भारत में भी सोने की खपत और सोने की कीमत बढ़ी है।

एक चिंताजनक बात यह है कि ईरान और इस्त्रइल के बीच संघर्ष का असर वैश्विक शिपिंग रूट्स पर भी पड़ सकता है। दुनिया को मिलने वाला करीब एक तिहाई तेल और खाद्य व कृषि उत्पादों का अधिकांश यातायात इसी मार्ग से होता है। इससे खाद्य पदाथरे, जैसे कि गेहूं, चीनी और अन्य कृषि उत्पादों की कीमतें बढऩे लगेगी। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि ईरान और इस्त्रइल के बीच युद्ध का अप्रत्यक्ष प्रभाव भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग पर भी पड़ सकता है, क्योंकि भारत अभी भी ज्यादातर दवाओं के लिए कच्चे माल का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। ऐसे में दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका होगी। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पश्चिम एशिया में युद्ध के बढऩे पर भारतीय शेयर बाजार में तेज गिरावट और महंगाई वृद्धि का दौर निर्मित होते हुए दिखाई दे रहा है, लेकिन पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भी भारत के कई ऐसे मजबूत आर्थिक पक्ष हैं जिनसे भारत के आम आदमी और भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक नुकसान नहीं हो सकेगा। खास बात यह है कि इस समय भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। भारत खाद्यान्न अतिशेष वाला देश है और देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भी भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना हुआ है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक 21 नवम्बर तक भारत के पास 650 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है, जिससे भारत किसी भी आर्थिक जोखिम का सरलतापूर्वक सामना करने में सक्षम है। यदि दुनिया के युद्धग्रस्त देशों में युद्ध और तेजी से बढ़ेगा तो कच्चे तेल के वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढऩे का सिलसिला शुरू हो सकता है और अब यदि कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेगी तो दुनियाभर में कई वस्तुओं के दाम बढऩे के साथ—साथ भारत में भी कीमतें बढऩे का सिलसिला शुरू हो सकता है।

चूंकि ईरान दुनिया के सबसे बड़ा कच्चा तेल उत्पादकों में से एक है और यह देश पश्चिम एशिया के संवेदनशील इलाकों में स्थित है। ऐसे में ईरान के तेल बाजार में अस्थिरता से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढऩे पर पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे। यह भी चिंताजनक है कि अभी देश में महंगाई बढऩे का रु झान स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। 14 नवम्बर को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में थोक महंगाई दर बढक़र 2.36 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो 4 महीने का उच्चतम स्तर है। बीते महीने खाद्य पदाथरे, विशेष रूप से सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतें महंगी हो गई हैं।

सितम्बर 2024 में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 1.84 प्रतिशत थी। ज्ञातव्य है कि 12 नवम्बर को प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर 2024 में खुदरा महंगाई दर बढक़र 6.21 प्रतिशत हो गई। यह महंगाई का 14 महीने का उच्चतम स्तर है। इससे पिछले महीने सितम्बर में खुदरा महंगाई दर 5.49 प्रतिशत दर्ज की गई थी तथा अगस्त में 3.65 प्रतिशत थी। आलू, प्याज के साथ अन्य सभी प्रकार की सब्जियों की कीमतों में तेज वृद्धि तथा महंगे हुए अनाज व फलों के कारण अक्टूबर माह में खाद्य वस्तुओं की खुदरा महंगाई दर भी बढक़र 10.87 प्रतिशत हो गई, जबकि सितम्बर माह में यह 9.24 प्रतिशत तथा माह अगस्त में 5.66 प्रतिशत थी। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच अब सरकार को भी महंगाई नियंत्रण के लिए बहुआयामी रणनीति की डगर पर आगे बढऩा होगा।

आर्थिक बदहाली की सीधे जिम्मेदार सरकार

सरकार ने पेट्रोलियम की कीमतों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की नीति पर सचमुच अमल किया होता, तो साढ़े 36 लाख करोड़ रुपये लोगों की जेब में बचते। इतना पैसा उपभोग क्षेत्र में जाता। बेशक उससे बाजार को जो बल मिल सकता था।

संसद में बताया गया है कि 2019—20 से 2023—24 तक केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम पर कर/ उपकर/ शुल्क से 36,58,354 करोड़ रुपये वसूले। ध्यान दीजिए: 2024—25 के आम बजट में सरकार की कुल आमदनी का अनुमान 30,80,274 करोड़ रुपए लगाया गया है। 2019—20 में यह रकम 20,82,589 करोड़ रुपये थी। तो पांच साल में पेट्रोलियम पर टैक्स से सरकार ने उतनी रकम बटोर ली, जो इनमें से किसी एक वर्ष में उसे हुई आमदनी से ज्यादा है।

इस दौर में बुनियादी मानव विकास से संबंधित योजनाओं के बजट में कटौती का सिलसिला भी चला है। तो वाजिब सवाल कि है सारी अतिरिक्त आय गई कहां?

अब इसी हफ्ते कुछ संकेत संसद में दिए गए एक अन्य आंकड़े पर गौर करें: 2023—24 सरकारी बैंकों ने एक लाख 70 हजार करोड़ रुपए के ऋण माफ कर दिए। पांच साल में ये रकम लगभग नौ लाख करोड़ रुपये बैठती है।

इसके अलावा सरकार कह सकती है कि वह इन्फ्रास्ट्रक्चर में पूंजीगत निवेश पर हर साल दस लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च कर रही है। देश में मैनुफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव योजना पर भी बड़ी रकम खर्च हुई है।

इसके अलावा 2019 में कॉरपोरेट टैक्स में दी गई छूट के कारण सरकार पर लाखों करोड़ रुपये का बोझ पड़ा। बहरहाल, यह प्रश्न अनुत्तरित है कि की सरकार की इन प्राथमिकताओं से आम जन को क्या हासिल हुआ? जिस समय मध्य वर्ग का ह्रास एक आम कथानक बन चुका हो और उद्योग जगत बाजार सिकुडऩे की शिकायत कर रहा हो, तो यह अवश्य पूछा जाएगा कि आम लोगों की जेब से कॉरपोरेट सेक्टर धन ट्रांसफर करने की नीति पर पुनर्विचार करने के लिए सरकार तैयार क्यों नहीं है? कल्पना कीजिए कि सरकार ने पेट्रोलियम की कीमतों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की नीति पर सचमुच अमल किया होता। तब साढ़े 36 लाख करोड़ रुपये लोगों की जेब में बचते। इतना पैसा उपभोग क्षेत्र में जाता। उससे बाजार को जो बल मिलता, वह बेशक आर्थिक आंकड़ों में झलकता। तो क्या आज की आर्थिक बदहाली की सीधी जिम्मेदारी सरकार पर नहीं जाती है?

बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप, ओटीटी पर नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही कंगुवा

हाल ही में रिलीज हुई महाकाव्य एक्शन ड्रामा फिल्म कंगुवा ने स्ट्रीमिंग की दुनिया में तहलका मचा दिया है. प्राइम वीडियो इंडिया पर नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही यह फिल्म दर्शकों को अपने शानदार विजुअल्स, जोड़े रखने वाली कहानी और दमदार प्रदर्शन से एंटरटेन कर रही है. सूर्या, बॉबी देओल और दिशा पाटनी की मुख्य भूमिकाओं वाली इस फिल्म का निर्देशन प्रतिभाशाली फिल्ममेकर शिवा ने किया है. कंगुवा दर्शकों और आलोचकों के बीच बड़ी हिट साबित हो रही है. फिल्म के निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, उंची उड़ान भरते हुए नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही है. फिल्म की कहानी एक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें साहस, बदले और मोक्ष की अनोखी गाथा को पेश किया गया है. सूर्या ने एक योद्धा के किरदार में अपने करियर का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन दिया है, जो प्यार, विश्वासघात और किस्मत की चुनौतियों का सामना करता है. बॉबी देओल ने एक खतरनाक विलेन के रूप में अपने किरदार को गहराई और तीव्रता दी है, जबकि दिशा पाटनी अपने आकर्षक व्यक्तित्व और भावुकता से कहानी में अहम भूमिका निभाती हैं. कंगुवा इस साल की सबसे बड़ी और सबसे महंगी फिल्म मानी जा रही है. 350 करोड़ से अधिक के बजट के साथ, यह फिल्म पुष्पा और सिंघम जैसी बड़ी फिल्मों से भी बड़ी है. फिल्म को भारत सहित सात अलग—अलग देशों में शूट किया गया था. फिल्म का सेट और लुक बेहद अनूठा है क्योंकि यह प्रागैतिहासिक काल को दिखाने वाली फिल्म है.

मार्श ने ब्रिस्बेन में फॉर्म हासिल करने के लिए क्लास प्लेयर स्मिथ का समर्थन किया

ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिशेल मार्श ने ब्रिस्बेन में भारत के खिलाफ टेस्ट में रन बनाने के लिए सीनियर बल्लेबाज स्टीव स्मिथ पर भरोसा जताया है। स्मिथ ने सीरीज की तीन पारियों में अब तक सिर्फ 19 रन बनाए हैं। स्मिथ ने सीरीज के पहले दो टेस्ट में 0, 17 और 2 रन बनाए थे। उनके फॉर्म को लेकर बढ़ते दबाव के बीच मार्श ने स्मिथ को क्लास प्लेयर कहा और एडिलेड ओवल में पिंक—बॉल टेस्ट में 10 विकेट की शानदार जीत के बाद तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए प्रदर्शन करने की उनकी क्षमताओं का समर्थन किया। मार्श ने गुरुवार को कहा, हम जानते हैं कि वह हमारे अब तक के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक है और मैं निश्चित रूप से उसे कुछ रन बनाने के लिए समर्थन दे रहा हूं। मैं शायद स्टीव स्मिथ को यह बताने की स्थिति में नहीं हूं कि उसे किस पर काम करना चाहिए। हम जानते हैं कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी है और उसने ऑस्ट्रेलिया के लिए बहुत सारे रन बनाए हैं और हम जानते हैं कि जब भी हमें उसकी जरूरत होती है, तो वह हमेशा आगे आता है। एडिलेड में एक झटके के बाद भारत गाबा में पहुंचा है, लेकिन 2020—21 श्रृंखला के दौरान इस स्थान पर अपनी उल्लेखनीय जीत की यादें लेकर आया है।

महिला जूनियर एशिया कप: चीन ने भारत को 2—1 से हराकर पूल ए में शीर्ष स्थान हासिल किया

मस्कट,। चीन ने यहां महिला जूनियर एशिया कप में तीसरे पूल ए मैच में भारत को 2—1 से हराकर पूल ए में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। इन तीन अंकों को जीतकर चीन ने पूल ए विजेता के रूप में सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। इस महत्वपूर्ण मुकाबले में, चीन के लिए जिनझुआंग टैन (32) और लिहांग वांग (42) गोल करने वाली खिलाड़ी थी, जबकि दीपिका (56) ने भारत के लिए अपना सातवां गोल करके टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर की सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। पहले क्वार्टर में दोनों पक्षों ने शुरुआती गोल की तलाश में सभी मोर्चों पर आक्रामक हमला किया। भारत ने कई मौके बनाए, लेकिन शूटिंग सर्कल में वह उतना प्रभावशाली नहीं रहा। भारत को शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन गोल करने के उनके प्रयास को चीन की मजबूत बैकलाइन ने बचा लिया। पहले क्वार्टर के अंत में चीन को भी पेनल्टी कॉर्नर मिला। जिनझुआंग टैन ने गोल पर एक शक्तिशाली शॉट लगाया, जिसे भारत की गोलकीपर निधि ने महत्वपूर्ण बचाव करके स्कोर बराबर रखा। दूसरे क्वार्टर में, भारत को लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन वे इस अवसर का लाभ नहीं उठा सके और पहला गोल नहीं कर सके। पहले हाफ में कड़ी टक्कर के बाद, दोनों टीमें अलग नहीं हो सकी और बिना कोई गोल किए अपने डगआउट में लौट गईं।

तीसरे क्वार्टर के शुरुआती मिनटों में, चीन की जुएलिंग जेंग ने एक खतरनाक जवाबी हमला किया, क्योंकि वह बाएं विंग से भारतीय रक्षा को भेदती हुई आगे बढ़ीं और अंततः निधि ने शूटिंग सर्कल में उन्हें गिरा दिया और अपनी टीम के लिए एक पेनल्टी स्ट्रोक जीता। कप्तान जिनझुआंग टैन ने स्ट्रोक लेने के लिए कदम बढ़ाया और निधि को पीछे छोड़ते हुए एक शक्तिशाली शॉट के साथ पहला गोल किया। चीन ने बढ़त बनाने के बाद गति बनाए रखी और ढेर सारे मौके बनाए। 42वें मिनट में, चीन ने पेनल्टी कॉर्नर के ज़रिए गोल किया,

वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन का ट्रेलर जारी, जबरदस्त एक्शन करते नजर आए अभिनेता

वरुण धवन की बेबी जॉन साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है. कुछ दिन पहले ही इसका टीजर दर्शकों को खूब पसंद आया था तब से सब ट्रेलर का इंतजार कर रहे थे. अब आखिरकार आज बेबी जॉन का ट्रेलर रिलीज हो गया है जो पावर पैक्ड एक्शन से भरपूर है. फिल्म में वरुण एक पुलिस ऑफिसर का रोल प्ले करने जा रहे हैं जो रेप पीड़िताओं के लिए लड़ता है. वहीं जैकी श्रॉफ ने इसमें विलेन का रोल प्ले किया है. ट्रेलर की खास बात यह है कि इसमें भाईजान का कैमियो भी है. जी हां ट्रेलर के आखिर में भाईजान की धांसू एंट्री दिखाई गई है.

उम्मीद के मुताबिक बेबी जॉन का ट्रेलर एक्शन से भरपूर है इसमें वरुण धवन ने पावर पैक्ड परफॉर्मेंस दी है. वहीं जैकी श्रॉफ का खूंखार लुक डर पैदा करने के लिए काफी है. ट्रेलर से पता चलता है कि वरुण धवन एक साहसी पुलिस ऑफिसर के रोल में रेप पीड़ितों के लिए लड़ते हैं और उन्हें न्याय दिलाते हैं. वहीं उनकी एक बेटी भी है जिसके ऊपर खतरा आने पर वे किसी भी हद तक जा सकते हैं.

बेबी जॉन के ट्रेलर की सबसे खास बात है भाईजान का कैमियो. जी हां वरुण धवन की बेबी जॉन में सलमान खान का कैमियो है, ट्रेलर के आखिर में सलमान खान की धांसू एंट्री होती है जिसमें वे अपना चेहरा तो नहीं दिखाते लेकिन मास्क के अंदर से उनकी आंखे दिखती हैं. आखिर में सलमान कहते हैं, मैरी क्रिसमस. वरुण धवन की इस फिल्म का सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे लेकिन अब इसके लिए एक्साइटमेंट दोगुना हो गई है. क्योंकि इसमें सलमान खान का कैमियो होने वाला है. ट्रेलर देखते ही दर्शक अब फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

दर्शकों ने बेबी जॉन के टीजर को जबरदस्त रिस्पॉन्स दिया था. टीजर की शुरुआत एक बच्ची से होती है जो अपने पापा जो कि वरुण धवन हैं के बारे में बताती हैं.

फिल्म बागी 4 में नजर आएंगी अभिनेत्री सोनम बाजवा

पिछले लंबे समय से अभिनेता टाइगर श्रॉफ अपनी आगामी फिल्म बागी 4 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। यह साल 2016 में आई फिल्म बागी की चौथी किस्त है।इस फिल्म के लिए टाइगर ने एक बार फिर निर्माता साजिद नाडियाडवाला से हाथ मिलाया है।बीते दिन निर्माताओं ने संजय दत्त का फिल्म की स्टार कास्ट में स्वागत किया था, वहीं अब खबर आ रही है कि सोनम बावजा भी बागी 4 की टीम में शामिल हो गई हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, बागी 4 में मुख्य भूमिका निभाने के लिए निर्माताओं ने सोनम से संपर्क किया है।कहा जा रहा है कि उन्हें फिल्म की कहानी पसंद आ गई है और उन्होंने इसके लिए हामी भी भर दी है।

एडिलेड की जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया के पास गति है: गावस्कर

नई दिल्ली, ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर—गावस्कर ट्रॉफी में वापसी करते हुए एडिलेड में गुलाबी गेंद से खेले गए टेस्ट में 10 विकेट से जीत दर्ज करके सीरीज 1—1 से बराबर कर ली है। अब, शनिवार को गाबा में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट के साथ, पूर्व क्रिकेट दिग्गज सुनील गावस्कर और हरभजन सिंह का मानना है कि शक्ति का संतुलन ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में हो गया है। गावस्कर ने सीरीज पर गति के प्रभाव पर प्रकाश डाला। गावस्कर ने आधिकारिक प्रसारकों स्टार स्पोर्ट्स से कहा, पर्थ में जीत के बाद भारत को जो गति मिली थी, वह दूसरे टेस्ट से पहले दस दिन के अंतराल में खत्म हो गई।अब गति ऑस्ट्रेलिया के पास है क्योंकि उन्होंने एडिलेड टेस्ट जीत लिया है, और गाबा टेस्ट शुरू होने से सिर्फ तीन दिन पहले, गति निश्चित रूप से उनके पास है। हरभजन ने गावस्कर की भावनाओं को दोहराते हुए कहा कि यह सीरीज हाल के वर्षों में सबसे कठिन सीरीज में से एक है, क्योंकि दोनों टीमें विपरीत परिस्थितियों से उबरने की क्षमता रखती हैं। इस सीरीज में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व स्पिनर ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के साथ पर्थ में जो हुआ, उसके बारे में उन्होंने नहीं सोचा होगा और भारत ने भी नहीं सोचा होगा कि पर्थ में अपनी शानदार जीत के बाद एडिलेड में क्या होगा। लेकिन अब, अगर हम इसे तीन मैचों की सीरीज के रूप में देखें, तो ट्रॉफी जीतने के लिए भारत को कम से कम दो मैच जीतने होंगे। उनके जीतने का सबसे अच्छा मौका सिडनी और मेलबर्न में होगा, लेकिन गाबा में जीत भारत के लिए सीरीज पर हावी होने का माहौल तैयार करेगी। गाबा में होने वाला आगामी मैच जनवरी 2021 में भारत की ऐतिहासिक जीत की यादों को ताजा करता है। निडर ऋषभ पंत (नाबाद 89 रन) की अगुआई में कमजोर भारतीय टीम ने 328 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य हासिल किया, जिससे ऑस्ट्रेलिया का इस मैदान पर 32 साल का जीत का सिलसिला खत्म हो गया।

एक नजर

तीन दिवसीय भरत महोत्सव आज से

जयन्त प्रतिनिधि

कोटद्वार : डू समथिंग सोसाइटी की ओर से 13 दिसंबर से भरत महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव के सफल आयोजन के लिए सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई है।

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी शहीद दिगंबर सिंह कालोनी दुर्गापुरी में महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। तीन दिवसीय महोत्सव के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही विद्यार्थियों के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में कार्य करने वालों को भी सम्मानित किया जाएगा। साथ ही ग्राफिक ऐरा हॉस्पिटल, हिमालयन हॉस्पिटल व श्री गुरूरामराय मेडिकल कॉलेज द्वारा निःशुल्क मेडिकल कैम्प, रक्तदान शिविर व सैनिक कल्याण बोर्ड की ओर से स्वास्थ्य कैंप भी लगाया जाएगा।

निकाय चुनाव : वोटर लिस्ट में ऑनलाइन देखें अपना नाम

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : निकाय चुनावों की वोटर लिस्ट में कोई भी वोटर अब अपना नाम ऑनलाइन ही देख सकते हैं। इसके लिए अब किसी निकाय, तहसील या ब्लॉक मुख्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निकाय ने बताया कि कोई भी वोटर अब अपना नाम राज्य निर्वाचन आयोग की वेबसाइड के लिंक पर जाकर अपना जिला और इसके बाद अपना निकाय व वार्ड पर के साथ ही अपना पोलिंग बूथ पर क्लिंक कर नाम देख सकता है।

पौड़ी के उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निकाय गिरीश गुणवंत ने बताया कि निकाय चुनावों की वोटर लिस्ट पहली दफा ऑन लाइन हुई है। इससे पहले भारत निर्वाचन आयोग की वोटर लिस्ट ही ऑन लाइन देखने की सुविधा थी। निकाय चुनाव के वोटर को भी इससे काफी सुविधा होगी और वह आसानी से अपने संबंधित निकाय क्षेत्र की वोटर लिस्ट घर बैठे ही ऑन लाइन देख सकेगा। बताया कि वर्तमान में निकाय चुनावों की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। निकाय चुनावों को लेकर वोटर लिस्ट का काम तकरीबन पूरा हो गया है। जिसमें एक जनवरी 2025 तक 18 साल पूरा होने वाले नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए है इसके अलावा जिन मतदाताओं का नाट हटना था वह भी हटा दिए गए है।

कबड्डी में राइंका पाबौ और भगवती माउंटेंसरी बनें विजेता

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा पाबौ खंड में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में भगवती माउंटेंसरी स्कूल पाबौ विजेता व सरस्वती विद्या मंदिर मासौं उप विजेता रही। सीनियर वर्ग में राइंका पाबौ विजेता व राइंका मासौं उपविजेता रही। विजेता व उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में राइंका मासौं, राइंका पाबौ, भगवती मांटेसरी पाबौ, राइंका चोपडियूं, राइंका चंपेश्वर, राइंका जगतेश्वर सहित 17 टीमों ने हिस्सा लिया। इससे पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन सामाजिक कार्यकर्त्ता सीमा सजवाण ने किया। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खंड कार्यवाह कैलाश थपलियाल, सहखंड कार्यवाह रूप सिंह भंडारी, खंड संचालक डा. नरेंद्र रावत, खंड प्रचारक देव कलोनी, अमन, दीप गुसांई, शिवम, अंकित, कमलेश, रोहित भंडारी, दुर्गेश थपलियाल, पुष्पा देवी, धनवीर, रजनी रावत, भरत रावत, हरेंद्र कोहली, रमेश गुसांई, मातवर सिंह, बलवीर सिंह आदि शामिल थे।

कैबिनेट मंत्री ने किया कन्या गुरुकुल में सभागार का उद्घाटन

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने राजपुर रोड स्थित कन्या गुरुकुल महाविद्यालय में टीएचडीसी के सहयोग से विद्यालय के सौन्दर्यकरण और कन्या गुरुकुल महाविद्यालय में 19.72 लाख रुपये की लागत से आचार्य रामदेव सभागार का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश ने कन्या गुरुकुल महाविद्यालय की कक्षा 8 वीं की छात्रा अनाथ बालिका अंशिका को भी गोद लिया और छात्रा के पठन पाठन और भरण पोषण का जिम्मा भी लिया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण करने वाली शिष्याओं को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाए देते हुए कहा कि गुरूकुल की पठन–पाठन की विधि नियमानुसार शिष्यों को ब्रह्मचर्य जीवन व्यतीत करना होता है। यहां वेद, संस्कृत साहित्य तथा आंग्लभाषा के साहित्य का अध्ययन कर गुरुकुल की रीति नीति का अनुशरण करें।

शहर की अनदेखी नहीं की जाएगी बर्दाश्त

मांगों को लेकर दूसरे दिन भी जारी रहा उक्रांद का धरना

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर की विभिन्न समस्याओं को लेकर उत्तराखंड क्रांति दल का धरना गुरुवार को भी जारी रहा। कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने जल्द समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर आंदोलन को तेज करने की चेतावनी दी है। कहा कि शहर की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मौके पर यूकेडी कार्यकर्ताओं ने सरकार के विरोध में नारेबाजी भी की। इस अवसर पर पार्टी नेता डॉ. शक्तिशैल कपरवाण ने कहा कि डबल इंजन सरकार की युवा विरोधी नीतियों के कारण बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। इस कारण युवाओं में रोष की भावना पनप रही है। कहा कि नगर निगम के अंतर्गत भी बहुत सी समस्याओं का समाधान अभी तक नहीं हो पाया है। उन्होंने स्थानीय बेरोजगारी दूर करने के लिए नियमों व वैज्ञानिक तरीके से क्षेत्र की नदियों को चुगान के लिए खोलने की मांग की। कहा कि नदी दोहन का लाइसेंस उत्तराखंड के मूल निवासियों को ही दिया जाना चाहिए। मौके पर विभिन्न सरकारी विभागों में संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों जैसी सुविधा देने, युवाओं को उद्योगों को लगाने के लिए प्रशिक्षण व ऋण देने और उद्योग स्थापित करने के लिए उद्योग विभाग और बैंकों को संयुक्त जिम्मेदारी सौंपने की मांग भी की गई। धरना स्थल पर राजाराम अंथवाल, चक्रधर कंडवाल, प्रकाश बमराड़ा, हरपाल सिंह नेगी, द्वारिका प्रसाद काला, जनार्दन ध्यानी, प्रवेशचंद्र नवानी, राजेंद्र पंत, गुलाब सिंह रावत, सतेन्द्र सिंह नेगी, विक्रम सिंह रावत और दिनेश धूलिया आदि शामिल रहे।

कोटद्वार के देवी रोड में धरना देते उक्रांद कार्यकर्ता व पदाधिकारी

व्यापारियों ने किया बंद का एलान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ व्यापारियों की ओर से बाजार बंद का एलान किया गया है। इस दौरान व्यापारी बांग्लादेश के खिलाफ आंदोलन भी करेंगे।

प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष विवेक अग्रवाल व महामंत्री लाजपत राय भाटिया ने बताया कि बांग्लादेश के बहुसंख्यक अल्पसंख्यकों पर अत्याचार कर रहे हैं। घर से निकाल-निकालकर हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। कहा कि बांग्लादेश में हो रहे अत्याचार के खिलाफ व्यापारी शुक्रवार को दोपहर 12 बजे तक अपने प्रतिष्ठानों को बंद रखेंगे। साथ ही हिंदू पंचायती धर्मशाला से आक्रोश रैली भी निकाली जाएगी। इसके बाद बांग्लादेश पर राजनीतिक दबाव बनाने के लिए राष्ट्रपति को पत्र भी भेजा जाएगा।

ओमप्रकाश कुकरेती बनें संगठन के महासचिव

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जिला कोटद्वार (प्रस्तावित) प्रवासी जन संगठन की ओर से पुरानी कार्यकारणी को भंग कर नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया है। इस दौरान ओम प्रकाश कुकरेती को महासचिव की जिम्मेदारी दी गई है। सदस्यों ने कहा कि संगठन अन्य राज्यों में पहाड़ की संस्कृति व सभ्यता को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। बैठक में सुरेंद्र सिंह रावत को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, ओमप्रकाश कुकरेती को महासचिव, उमेश काला को सचिव, प्रसन्ना लाल दुदपुडी को कोषाध्यक्ष, विनय शर्मा को सांस्कृतिक सचिव, विमल रावत को सभा सचिव, मनोज शर्मा को संगठन सचिव, शशि मोहन काला को निरीक्षक, कृपा राम शर्मा, सुरेंद्र सिंह गुसाईं, सते सिंह नेगी, अरविंद डबराल को निर्वाचित संरक्षण मंडल की जिम्मेदारी दी गई है। जबकि, विस अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण व विधायक दिलीप रावत को संरक्षक मंडल की जिम्मेदारी दी गई है।

विद्यार्थियों को दी अपार आईडी के बारे में जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : पब्लिक इंटर कालेज सुरखेत में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अपार आईडी के बारे में जानकारी दी गई। शिक्षकों ने कहा कि अब विद्यार्थियों को हर जगह अपने शैक्षणिक दस्तावेज लेकर जाने की आवश्यकता नहीं है। वह अपार आईडी से अपने दस्तावेजों को प्राप्त कर सकते हैं। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों ने विद्यार्थियों को अपार आईडी के उपयोग के बारे में बताया। प्रधानाचार्य पुष्कर नेगी ने कहा कि कक्षा एक से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों का अपार आईडी में पंजीकरण करवाया जा रहा है। अपार का उद्देश्य छोटी कक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक के विद्यार्थियों के शैक्षणिक रिकार्ड को लाकर के रूप में रखना है। कहा कि अपार आईडी को विद्यार्थियों के डिजीलाकर अकाउंट से जोड़ा जाएगा। इस दौरान विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाकर उसकी प्रिंट कापियां उपलब्ध करवाई गई।

भेल्डा इलेवन ने जीता क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गेंद मेले से पूर्व राजकीय ऐतिहासिक पौराणिक गेंद मेला सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा समिति की ओर से क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच भेल्डा इलेवन के नाम रहा।

डाडामंडी में आयोजित खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि देवी प्रसाद बडोनी ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस दौरान सरस्वती विद्या मंदिर डाडामंडी के विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना के साथ ही सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। वक्ताओं ने कहा कि डाडामंडी गेंद मेला एक ऐतिहासिक मेला है। मेले को प्रतिवर्ष भव्य रूप देने का प्रयास किया जा रहा है। गेंद मेला कमेटी के अध्यक्ष ओमप्रकाश तिवारी, सचिव किशन लाल चौधरी ने बताया कि जनवरी माह में मनाएं जाने वाले गेंद मेले से पूर्व स्कूली बच्चों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस छोटे से मंच से ही बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। क्रिकेट प्रतियोगिता का पहला मुकाबला भेल्डा इलेवन व कंगारू इलेवन के बीच खेला गया, जिसमें सात विकेट से भेल्डा इलेवन की टीम विजयी रही। इस मौके पर ग्राम प्रधान चंद्रमोहन चौधरी, मुकेश बड़थ्वाल, केवी शास्त्री, प्रमोद चौहान, संजय रावत, कोमल चौधरी, चंद्रपाल सिंह रावत, जगदीश रावत, आशीष तिवारी, रितेश गोदियाल, सुरेंद्र सिंह, आनंद रावत, अर्जुन नेगी, रोशन सिंह नेगी, गणेश कंडवाल, विनोद कंडवाल आदि मौजूद रहे।

डाडामंडी में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का रिबन काटकर शुभारंभ करते अतिथि देवी प्रसाद बडोनी

बिना पंजीकरण नहीं लगने दी जाएगी रेहड़ी-ठेली

अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह ने चलाया अभियान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में लगातार बढ़ रही रेहड़ी-ठेलियों के खिलाफ पुलिस ने सख्ती दिखाना शुरू कर दिया है। अपर पुलिस अधीक्षक ने नगर निगम में बिना पंजीकरण के शहर में रेहड़ी-ठेली नहीं लगाने की चेतावनी दी। कहा कि बाहरी राज्यों से आने वाले फल व सब्जी विक्रेताओं का सत्यापन करवाना भी आवश्यक है। बाहर से आने वाले लोगों पर पुलिस कड़ी निगरानी रख रही है, इसके तहत पुलिस ने अब बाहरी लोगों के सत्यापन अभियान की कार्यवाही शुरू कर दी है। गुरुवार को अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह ने पुलिस टीम के साथ कोटद्वार के विभिन्न क्षेत्रों में सत्यापन अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने पुलिस कर्मियों को संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। कहा कि प्रत्येक बाहरी व्यक्ति जो यहां आकर फल, सब्जी आदि का कारोबार कर रहे हैं उनका शत प्रतिशत सत्यापन होना चाहिए। बताया कि इसके अलावा शहर में प्रत्येक दुकान में काम करने वाले कर्मचारी और किरायदारों के सत्यापन के लिए नियमित अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान एसएसआई उमेश कुमार, बाजार चौकी इंचार्ज राज विक्रम सिंह, सनेह चौकी इंचार्ज दिनेश चमोली, कांस्टेबल करन यादव, शशिभूषण जोशी, सुनील चौहान आदि शामिल रहे।

कोटद्वार शहर में रेहड़ी-ठेली वालों को चेतावनी देते अपर पुलिस अधीक्षक

मोटर मालिक व व्यापार मंडल आमने सामने

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : ओवर लोडिंग के खिलाफ ट्रक चालक, परिचार व स्वामियों के आंदोलन के बीच मोटर मालिक व व्यापार मंडल आमने सामने आ गया है। एक ओर जहां ट्रक चालक ओवर लोडिंग रोकने की मांग उठा रहे हैं तो वहीं, व्यापारी ट्रक चालक, परिचालक व स्वामियों पर उनके माल वाहक वाहनों को रोकने का आरोप लगा रहे हैं। दोनों पक्षों ने इस संबंध में शासन-प्रशासन को ज्ञापन भेजा।

मालूम हो कि ट्रक चालक ओवर लोडिंग के खिलाफ पिछले तीन दिन से आंदोलन पर डटे हुए हैं। इसी के तहत मोटर मालिक चालक संघ के अध्यक्ष दिनेश तडियाल के नेतृत्व में मोटर मालिक व चालक उपजिलाधिकारी कार्यालय में पहुंचे। उन्होंने उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा कि वर्तमान में ओवरलोड के नाम पर मोटर मालिकों व चालकों को परेशान किया जा रहा है। जबकि, दूसरे प्रदेशों से भारी मालवाहक वाहन ओवरलोड होकर पहाड़ों की तरफ से बेखौफ चल रहे हैं। भारी वाहनों के आवागमन के कारण पुलों को भी खतरा पैदा हो रहा है। ज्ञापन में ओवरलोड पर पूरी तरह से प्रतिबंधित कर अंडरलोड लागू करने की मांग की गई। साथ ही भारी वाहनों की चैकिंग राज्य की पुलिस से हटाकर परिवहन विभाग को जिम्मेदारी देने की भी मांग की गई। वाहनों के भार मापन के लिए सिद्धबली बैरियर के निकट धर्मकांटा स्थापित करने की भी मांग उठाई। ज्ञापन सौंपने वालों में कुलदीप बिष्ट, राजकुमार जोशी, सुशील रावत मौजूद रहे।

उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देते व्यापारी

यह है व्यापारियों का आरोप

व्यापारियों ने कहा कि मोटर मालिक चालक संघ के आंदोलन के कारण व्यापारियों का सामान पहाड़ों में नहीं जा पा रहा है। जिससे उन्हें प्रतिदिन लाखों का नुकसान उठाना पड़ रहा है। व्यापार मंडल के अध्यक्ष प्रवीन भाटिया ने कहा कि पिछले तीन दिनों से अवैधानिक तरीके से पहाड़ों को भेजे सामान से भरे ट्रकों को सिद्धबली बैरियर के निकट रोका जा रहा है, जिस कारण उनका सामान गंतव्य तक नहीं पहुंच पा रहा है। कहा कि ट्रकों को रोके जाने से पर्वतीय क्षेत्र में आवश्यक वस्तुओं का अभाव पैदा हो गया है। उन्होंने उपजिलाधिकारी से व्यवस्था को सुचारू किए जाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में जिलाध्यक्ष विवेक अग्रवाल, महामंत्री नवीन गोयल, सुबोध कर्णवाल भी मौजूद रहे।

बिड़ला और चौरास परिसर में नए रीडिंग रूम बनाने की उठाई मांग

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि में छात्र हितों से जुड़ी मांगों को लेकर गुरुवार को आल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (आइसा) से जुड़े कार्यकर्ताओं ने विवि के कुलपति से वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कुलपति को 12 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन भी प्रेषित किया। गढ़वाल विवि की छात्र संघ छात्रा प्रतिनिधि प्रियंका खत्री और पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष रेबिन असवाल ने कहा कि लम्बे समय से गढ़वाल विवि के बिड़ला और चौरास परिसर में नए रीडिंग रूम बनाए जाने, दोनों कैंपसों में छात्रों की सुविधा के लिये स्ट्रीट लाइट और सीसीटीवी कैमरे लगाये जाने की मांग की जा रही है, लेकिन अभी तक विवि प्रशासन की ओर से कोई कार्यवाही नहीं हो पायी है। आइसा ने छात्र-छात्राओं की सुविधा को देखते हुए बिड़ला एवं चौरास कैंपस में नए छात्रावासों का निर्माण किए जाने, बिड़ला एवं चौरास कैंपस में कैफेटेरिया एवं स्टेशनरी शॉप खुलवाये जाने, एमएसडब्लयू, आईटीइपी, एमफार्मा सहित विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स की फीस कम किये जाने, गढ़वाल विवि के चौरास कैंपस में सब ऑफिस कैंपस खोलने, चौरास कैंपस में एटीएम खुलवाये जाने, कैंपस कैंटीन में छात्रों को सब्सिडी की सुविधा दिए जाने, ऑनलाइन आरटीआई और डिग्री आवेदन करने की सुविधा छात्रों को दिए जाने, दोनों कैंपस में बस स्टॉप पर टीन शेड की व्यवस्था किए जाने, नॉर्थ जोन प्रतियोगिता दोबारा करवाई जाने, विवि परिसरों के रीडिंग रूम के समय को सुबह 6 बजे से रात्री 10 बजे तक करवाए जाने की मांग की। छात्रा प्रतिनिधि प्रियंका खत्री ने बताया कि 12 सूत्रीय मांगों पर विवि के कुलपति प्रो. एमएमएस रौथाण ने शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन दिया है। कहा कि यदि मांगों पर कार्यवाही नहीं होती है तो वह आंदोलन के बाध्य होंगे।

पौड़ी महोत्सव में प्रियंका और मयंक के गीतों पर झूमे लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पौड़ी महोत्सव की दूसरी सांस्कृतिक संध्या सुप्रसिद्ध गायिका प्रियंका महर और साथी कलाकारों के नाम रही। लोक गायक प्रियंका महर, मयंक रावत ने गीतों की प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया।मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार पोरी ने दीप प्रज्जवलित कर महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने महोत्सव के आयोजन को लेकर व्यापार सभा की सराहना की। इस मौके पर प्रियंका महर ने शिमले नि जाणा..गीत से कार्यक्रम की शुरुआत की। उनके गीत धना धना धना धना रे.., भाना मि शर्मीली, सुण रे गै ल्या.., देखूयूँ मिन मसूरी.., चैता की चैतवाली.. पर दर्शकों ने जमकर डांस किया। उनके साथी गायक मयंक रावत की रैप की विविधताओं से युक्त गायन से युवाओं को थिरकने पर मजबूर कर दिया। प्रियंका महर ने गढ़वाली, कुमाऊनी और हिंदी गीतों से समा बांधा। दर्शकों ने बेडू पाको बारामासा.., रुप्सा रमौती, रणसिंघा बाजो.., पधनु लौंडा गोपाला.., बाजे रे मुरुली, दया रे, दया रे,चढ़ गयो रे पापी बिछुआ.., दमादम मस्त कलंदर.., छाप तिलक.. गाकर गाने का दर्शकों ने खूब लुप्त उठाया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष केशर सिंह सिंह नेगी, व्यापार सभा अध्यक्ष विनय शर्मा, सांस्कृतिक संयोजक मनोज रावत, कोषाध्यक्ष दिलबर भंडारी, भूपेंद्र नवानी, मनोज बिष्ट, संजय वर्मा आदि मौजूद रहे।

कालजयी गीतकार गौड़ को मिलेगा आखर सम्मान

श्रीनगर गढ़वाल : सुप्रसिद्ध वरिष्ठ कालजयी गीतकार एवं कवि महेशानंद गौड़ को डॉ. गोविन्द चातक स्मृति आखर साहित्य सम्मान से सम्मानित किया जायेगा। आखर ट्रस्ट के अध्यक्ष संदीप रावत ने बताया कि आखर संस्था द्वारा वर्ष 2018 में लोक साहित्य के मूर्धन्य साहित्यकार डॉ. गोविन्द चातक की जयन्ती पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि इस वर्ष गढ़वाली भाषा-साहित्य में अपने कालजयी गीतों के माध्यम से अमूल्य योगदान पर कालजयी गीतों की रचना करने वाले वरिष्ठ गढ़वाली गीतकार एवं आकाशवाणी लखनऊ से प्रसारित पहली गढ़वाली काव्य गोष्ठी में प्रतिभाग करने वाले गढ़वाली कवि महेशानन्द गौड़ ह्यचन्द्राह्न को प्रदान दिया जाएगा।

बांग्लादेश के खिलाफ सड़क पर उतरे पूर्व सैनिक

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार पर जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पूर्व सैनिक संघर्ष समिति ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार पर रोष व्यक्त किया है। पूर्व सैनिकों ने बाजार में आक्रोश रैली निकालते हुए सरकार से हिंदुओं की रक्षा के लिए कदम उठाने की मांग की।

गुरुवार को पूर्व सैनिक समिति के अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह रावत के नेतृत्व में देवी मंदिर में एकत्र हुए। यहां से जुलूस की शक्ल में बांग्लादेश के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पूर्व सैनिक लालबत्ती चौराहे, झंडाचौक से होते हुए तहसील परिसर पहुंचे। जहां पर उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी के माध्यम से देश के राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित किया गया। महेंद्र पाल सिंह रावत ने कहा कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां रह रहे अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ अत्याचार की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। वहां की सरकार हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को रोक पाने में पूरी तरह से विफल साबित हो रही है। कहा कि हिंदुओं के मंदिरों को भी तोड़ा जा रहा है, जिससे वहां पर हिंदुओं में असुरक्षा का भाव पैदा हो रहा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हिंदुओं के अधिकारों की रक्षा के लिए आगे आने का आग्रह किया। भारत सरकार से अल्पसंख्यक हिंदुओं के नरसंहार को रोकने के लिए कठोर कदम उठाने की मांग की है। कहा कि पूर्व सैनिक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा। इस मौके पर मदन सिंह नेगी, राजेश बिष्ट, मेहरबान सिंह चौहान, देवेंद्र सिंह बिष्ट सहित सैकड़ों की संख्या में पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न के विरोध में जुलूस की शक्ल में कोटद्वार तहसील में पहुंचे पूर्व सैनिक

19 दिसंबर से चलेगा सुशासन सप्ताह-प्रशासन गांव की ओर अभियान

अधिकारी गांव-गांव में चौपाल लगाकर जनता को देंगे सरकारी योजना का लाभ

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : आगामी 19 दिसंबर से सुशासन सप्ताह-प्रशासन गांव की ओर अभियान शुरू होगा। अभियान को सफल बनाने को लेकर जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को भारत सरकार की ओर से जारी रोस्टर के अनुसार कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से पीएम विश्वकर्मा, पीएम जनधन, राशन कार्ड, सौर स्वरोजगार योजना, आयुष्मान और आभा कार्ड जैसी योजनाओं से जनता को लाभांवित किया जाए।

गुरूवार को जिला कार्यालय स्थित सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में सुशासन-सप्ताह प्रशासन गांव की ओर अभियान चलेगा। यह अभियान दो चरणों में चलेगा। प्रथम चरण में 18 दिसंबर तक प्रशासन गांव की ओर पोर्टल पर मानचित्रण और उन क्षेत्रों का चिन्हीकरण किया जाना है, जहां सुशासन के लक्ष्यों की प्राप्ति होती है। दूसरे चरण में 19 से 25 दिसंबर तक उक्त लक्ष्यों का क्रियान्वयन होना है। इसकी दैनिक प्रगति पोर्टल पर अपलोड होगी। जबकि 23 दिसंबर को जिला मुख्यालय में प्रसार कार्यशाला का आयोजन होगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि 19 दिसंबर से गांवों में चौपाल लगाकर मामलों का निस्तारण किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, अधीक्षण अभियंता पेयजल निगम मोहम्मद मिशम, लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता दिनेश बिजल्वाण, जल संस्थान के सहायक अभियंता सोहन सिंह जेठुड़ी आदि मौजूद रहे।

डीएम डॉ. आशीष चौहान बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

नाराजगी जताई

देहरादून। गर्वमेंट पेंशनर्स ऑर्गेनाइजेशन ने पेंशनर्स की उपेक्षा को लेकर नाराजगी जताई। आर्गेनाइजेशन ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि जून और दिसंबर में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को एक वेतन वृद्धि का निर्णय स्वागत योग्य है, लेकिन अन्य मांगों का पूरा नहीं होना निराशाजनक है। प्रदेश अध्यक्ष बची सिंह रावत ने कहा कि जुलाई माह में स्वास्थ्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में कई मांगों पर सहमति बनी थी। जिनमें से गोल्डन कार्ड के तहत ओपीडी में निशुल्क उपचार, जांच और दवा की सुविधा देने, पेंशनर्स को रूटीन हेल्थ चेकअप के लिए निशुल्क सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही उच्च गुणवत्ता वाली लैबों में जांच की सुविधा और निजी और सरकारी अस्पतालों में रूटीन चेकअप की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग रखी थी। पेंशनर्स के लिए विभागीय डीडीओ के बजाए कोषागारों को डीडीओ बनाए जाए। साथ ही जो पेंशनर्स गोल्डन कार्ड की सुविधा से वंचित रह गए हैं, उन्हें योजना में शामिल होने का मौका दिए जाने की मांग रखी है।

रूफ टॉप सोलर पावर प्लांट लगाने में लोग दिखा रहे दिलचस्पी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत अपनी घरों की छत में रुफ टॉप सोलर पावर प्लांट लगाने में लोग दिलचस्पी दिखा रहे हैं। जनपद में अब तक 177 रूफ टॉप सोलर पावर प्लांटस स्थापित किये गये है। जबकि 140 पर काम चल रहा है। अभी तक संचालित इन सोलर प्लांट से करीब 708 किलोवाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। पौड़ी की डीपीओ उरेडा राजेश्वरी विश्वकर्मा ने बताया कि सब्सिडी मिलने के बाद लोगों के आवेदनों में इजाफा हुआ है। अब तक 177 लाभार्थियों की छत पर प्लांटस लगाएं जा चुके हैं। 140 प्रोजेक्ट पर भी काम चल रहा है। इनके शुरू होने के बाद करीब बिजली उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी। बताया कि पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत एक किलोवाट से लेकर 10 किलोवाट तक के ग्रिड कनेक्टेड पावर प्लांट छतों पर लगाए जा रहे हैं। एक किलोवाट प्लांट में राज्य सरकार 17 हजार व केंद्र सरकार 33 हजार की सब्सडी दे रही है। इसी तरह दो किलोवाट पर प्रदेश सरकार 34 हजार तो केंद्र से 66 हजार की सब्सडी मिल रही है। तीन से 10 किलोवाट पर प्रदेश सरकार 51 हजार व केंद्र सरकार 85 हजार सब्सडी देगी। बताया कि प्लांट से बनने वाली सीधे ग्रिड में चली जाएगी। लाभार्थी के घर बिजली की खपत प्लांट से मिलने वाली बिजली से कम होती है, तो अतिरिक्त यूनिट उसके खातें में जुड़ जाती है।

एक नजर

दिव्य, भव्य और डिजीटल होगा प्रयागराज का महाकुंभ

देहरादून। प्रयागराज महाकुंभ को यूपी सरकार 'दिव्य भव्य और डिजिटल' रूप में आयोजित करेगी। यूपी सरकार ने उत्तराखंड समेत देश–दुनियां के सभी श्रद्धालुओं को महाकुंभ में शामिल होने को निमंत्रण दिया है। गुरूवार को यूपी की महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री बेबीरानी मौर्य और लोनिवि राज्यमंत्री बृजेश सिंह ने राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर उनके माध्यम से पूरे उत्तराखंड को महाकुंभ आने का निमंत्रण दिया। दोपहर राजपुर रोड स्थित एक होटल में प्रेस कांफ्रेंस में मार्य और सिंह ने महाकुंभ को लेकर यूपी सरकार की तैयारियों को साझा किया। मौर्य ने कहा कि महाकुंभ, भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक चेतना का स्पंदन है। यूपी सरकार महाकुंभ 2025 को भारतीय संस्कृति और एकता का वैश्विक प्रतीक बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। महाकुंभ में अंतरराष्ट्रीय सहभागिता और अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ इसे ऐतिहासिक बनाने की दिशा में कार्यवाही जा रही है। पिछली बार वर्ष 2019 में भी यूपी ने कुंभ का सफल आयोजन किया था। तब करीब 22 करोड़ श्रद्धालु यूपी आए थे। पूरे विश्व में इस आयोजन के प्रबंधन, स्वच्छता, सुविधाएं और पुख्ता सुरक्षा के लिए सराहा था। इस बार 45 करोड़ के करीब श्रद्धालुओं के प्रयागराज आने की उम्मीद है। यूपी सरकार ने सभी तैयारियों को करीब करीब पूरा कर लिया है।

केन्द्रीय आयुष मंत्री से मिले जोशी

देहरादून। दून योग पीठ देहरादून के संस्थापक योगाचार्य डॉ. बिपिन जोशी ने केन्द्रीय आयुष मंत्री प्रताप राव जाधव से मांग की है कि उत्तराखंड सरकार द्वारा बनाए गए स्वामी विवेकांनद पर्यटन सर्किट में योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और अध्यात्म के माध्यम से देवभूमि को वेलनेस का एक बड़ा हब बनाया जाए। साथ ही राज्य के गांवों का योग और आयुर्वेद ग्रामों के रूप में विकास किया जाए। ताकि संपूर्ण विश्व को स्वास्थ्य और उत्तराखंड के लोगों को स्वरोजगार मिले। केन्द्रीय मंत्री के दून आगमन पर उन्होंने केन्द्रीय मंत्री को इस सम्बंध में मांग पत्र सौंपा। स्वामी विवेकांनद सर्किट में स्वामी जी की यात्रा के 125 साल पूर्ण होने पर उसी तिथि से एक यात्रा योगाचार्य डॉ. बिपिन जोशी के पावन सानिध्य में निकली जा रही है। डॉ. जोशी ने यात्रा के लिए केन्द्रीय मंत्री को आमंत्रित किया।

लेट फीस वापस करने की मांग

देहरादून। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने गढ़वाल विवि की परीक्षा फार्म के लिए ली जा रही लेट फीस वापस करने की मांग की है। गुरुवार को डीएवी कालेज में छात्रनेता प्रांचल नौनी के नेतृत्व में छात्रों ने इस मामले में प्राचार्य डा. एसके सिंह को ज्ञापन भी दिया। प्रांचल नौनी और पुनीत राज ने बताया कि डीएवी महाविद्यालय का अभी परीक्षा परिणाम आया है और विश्वविद्यालय ने अतिरिक्त फीस तीन हजार रुपए कर दी है। जबकि इसमें छात्रों की कोई गलती नहीं थी। वहीं प्रथम सेमेस्टर की प्री परीक्षा फार्म के नाम से फिर अतिरिक्त फॉर्म निकला गया है। उन्होंने प्रथम सेमेस्टर के लिए भरे जा रहे है परीक्षा फार्म निरस्त करने की मांग की। एनएसयूआई प्रदेश महासचिव अनंत सैनी ने बताया कि विवि के परिणाम देर में आने की चलते छात्रों से ये मोटी लेट फीस ली जा रही है। जो गलत है। यदि विश्वविद्यालय और महाविद्यालय ने जल्द से जल्द इसका निवारण नहीं किया तो एनएसयूआई के समस्त कार्यकता इसका विरोध करेंगे । इस दौरान प्रदेश महासचिव यूथ कांग्रेस स्वाति नेगी , हनी , सिमरन, मोहित विनय,गौरव ,धनवीर सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

जिलाधिकारी ने अवैध रूप से चल रही फैक्ट्री सील करवाई

देहरादून। सोमवार को कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई में 70 साल की वृद्ध महिला ने अपने पड़ोस के मकान में अवैध रूप से फूड स्नैक्स फैक्ट्री संचालित होने की शिकायत की थी। जिलाधिकारी की ओर से इस मामले में टीम गठित कर जांच के आदेश दिए गए थे।

प्रशासन की जांच में शिकायत सही पाए जाने के बाद फैक्ट्री सील कर दी गई। शिकायतकर्ता चंदरनगर निवासी 70 वर्षीय महिला की शिकायत थी कि वह बीमार रहती हैं और पड़ोस में चल रही स्नैक्स फैक्ट्री में देर रात तक शोरशराबा होता है, इससे उन्हें बहुत परेशानी होती है। साथ ही देर रात तक यहां लोगों का आना जाना रहता है। कई अवांछित लोग भी यहां आते हैं। महिला का आरोप था कि फैक्ट्री अवैध रूप से आवासीय इलाके चल रही है और मानकों के विपरीत होने के बावजूद इसके स्नैक्स शहर भर में सप्लाई हो रहे हैं।

खिलाड़ी मेहनत और अनुशासन के साथ खेल के प्रति समर्पित रहें : धामी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को देहरादून के पवेलियन मैदान में चल रहे लॉन बाल कैंप का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों से मुलाकात कर उनकी हौसला अफजाई की। खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री ने खुद भी मैदान पर उतरते हुए लॉन बॉल में हाथ आजमाया।

मुख्यमंत्री ने कैंप में मौजूद खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और अधिकारियों को आगामी 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं और सरकार उनके हरसंभव सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को मेहनत और अनुशासन के साथ खेल के प्रति समर्पित रहने को कहा। इस अवसर पर विशेष प्रमुख सचिव खेल अमित सिन्हा, खेल निदेशक प्रशांत आर्य, धीरेंद्र पंवार सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।

दून पुस्तकालय में बीसी सान्याल पर वृतचित्र का प्रदर्शन

देहरादून। दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र में गुरुवार की सायं सुपरिचित कलाकार बीसी सान्याल पर केंद्रित एक वृतचित्र फिल्म का प्रदर्शन किया गया। फिल्म की अवधि 51 मिनट की रही। इस दौरान फ़िल्म के पटकथा लेखक और निर्देशक पार्थ चटर्जी भी उपस्थित थे। फिल्म प्रदर्शन से पूर्व पार्थ चटर्जी ने फिल्म के विषय वस्तु पर प्रकाश डालते हुए बीसी सान्याल के कला के क्षेत्र में दिये महत्वपूर्ण योगदान को याद करते हुए कहा कि बीसी सान्याल पर बनी यह फिल्म ललित कला अकादमी नई दिल्ली ने 1988 में बनाई थी। उन पर फिल्म बनाने के पीछे एक कलाकार के रूप में उनके योगदान को उजागर करना था। सान्याल स्वतंत्रता पूर्व से ही आधुनिक भारतीय कला जगत में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। उनके सभी चित्र मानवतावादी भावना के उदाहरण हैं।

योजनाओं की जानकारी न होने पर डीएम ने अधिशासी अधिकारियों को लगाई फटकार

चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने गुरुवार को सभी अधिशासी अधिकारियों की बैठक लेते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), पीएम स्वनिधि, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं डोर-टू-डोर कूड़ा सेग्रीगेशन कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक ली। योजनाओं के बारे में पूरी जानकारी न होने पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारियों को फटकार लगाते हुए सकारात्मक कार्यशैली के साथ जनहित में काम करने की सख्त हिदायत दी।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी अधिशासी अधिकारी अपने नगर क्षेत्र में प्रत्येक दिन सफाई कार्यों की स्वयं देखरेख करें। नगर क्षेत्र में कूड़ा प्रबंधन के लिए ठोस व्यवस्था की जाए। पॉलीथीन उन्मूलन के लिए स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से कपड़े के बैग तैयार कराए जाए। इससे नगर पालिका क्षेत्र में पॉलीथीन का उपयोग नहीं होगा और महिला समूहों को भी फायदा मिलेगा। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने नगर क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में जनता दरबार लगाकर समस्याएं सुनें और उनका प्राथमिकता पर निस्तारण करें। निकाय की परिसंपत्तियों की सूची बनाएं। जिन दुकानों एवं आवासों से किराया जमा नहीं किया जा रहा है, उन पर जुर्माना लगाकर किराया वसूला जाए। एंटी लिटरिंग एक्ट और सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेकने एवं गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की जाए।

उत्तरांद की महिला प्रदेश अध्यक्ष बनी मेजर भंडारी

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल ने मेजर (सेनि.) संतोष भंडारी को दल की महिला प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। गुरुवार को देहरादून में दल के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित सदस्यता कार्यक्रम में उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई। विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों को केंद्रीय अध्यक्ष पूरन सिंह कठैत ने सदस्यता दिलाई। मेजर भंडारी ने कहा कि यह आंदोलन से उपजा प्रदेश है। जिस उद्देश्य के लिए पृथक राज्य की मांग की गई थी, आज 24 वर्ष बाद भी वह उद्देश्य पूरा नहीं हो पाया है ' हम सबको मिलकर अपने क्षेत्रीय दल को सत्ता में लाना होगा। जिससे कि उत्तराखंड राज्य की दशा और दिशा सुधारी जा सके। केंद्रीय अध्यक्ष कठैत ने कहा कि अब दल में सैनिक प्रकोष्ठ, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ, विभिन्न क्षेत्रों से लोग भरोसा जता रहे हैं। निश्चित तौर पर 2027 में दल सत्ता में होगा। मौके पर संरक्षक सुरेंद्र सिंह कुकरेती, कार्यकारी अध्यक्ष आनंद प्रकाश जुयाल, पंकज व्यास, केंद्रीय उपाध्यक्ष जयप्रकाश उपाध्याय, शांति प्रसाद भट्ट, केंद्रीय महामंत्री बृजमोहन सजवान, सुनील कोटनाला, सैनिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष चंद्र मोहन गरिया, मीडिया प्रभारी किरण रावत कश्यप, महिपाल पुंडीर, वीरेंद्र बिष्ट, राजेंद्र बिष्ट आदि मौजूद थे।

इन्होंने ली सदस्यता

सदस्यता लेने वालों में सेवानिवृत मेजर संतोष भंडारी, सूबेदार मेजर गोपाल दत्त, सूबेदार भरत सिंह मनराल, नायब सूबेदार कृपाल सिंह, नायब सूबेदार हरि सिंह पटवाल, कैप्टन टीकाराम जोशी, कैप्टन किशोर कुमार जोशी, सूबेदार भगत सिंह नेगी, सूबेदार मेजर भगत सिंह नकोटी, आकाश नौटियाल, मंजू रावत, मीनाक्षी सिंह, नीतू भंडारी, सुचिता उनियाल, एडवोकेट राजकुमार जैन और अनुपम जैन शामिल थे।

वनाग्नि को रोकने लिए सीतलाखेत मॉडल, जनसहभागिता के साथ-साथ ली जायेगी ड्रोन की मदद : डीएम

त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे से वनाग्नि पर अंकुश लगाये जाने की तैयारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : वनाग्नि की रोकथाम को लेकर एनआईसी कक्ष में जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। जिला वनाग्नि प्रबंधन प्लान पर स्वीकृति प्रदान करते हुए जिलाधिकारी ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वनाग्नि घटनाओं को रोकने के लिए जनसहभागिता, सीतालाखेत मॉडल व ड्रोन तकनीक का पूर्ण प्रवाह के साथ प्रयोग करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि वन व राजस्व विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी जंगलों को आग से बचाने के लिए ग्रामीणों से समन्वय स्थापित करते हुए जनसहभागिता सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी कार्य योजना को सफल बनाने के लिए जन सहभागिता आवश्यक है। वनाग्नि रोकथाम प्लान के तहत मानव संसाधन, तकनीक, राहत सहायता के लिए वन विभाग द्वारा 31 करोड़ की धनराशि का पूर्वाआंकलन शासन को प्रेषित किया जायेगा।

गुरुवार को आयोजित वनाग्नि रोकथाम बैठक में जिलाधिकारी ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि विगत वनाग्नि सीजन में वनाग्नि में शामिल अज्ञातों से सम्बंधित एफआईआर की इन्वेस्टिगेशन रिपोंट शुक्रवार शाम तक जिला कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। डीएम ने वन विभाग के अधिकारियों को वनाग्नि की रोकथाम के लिए मानव संसाधन की सूची को अद्यतन रखने, निगरानी ड्रोन सहित अन्य तकनीकी उपकरणों को चालू अवस्था में रखने के साथ-साथ वनाग्नि की रोकथाम के लिए अन्य देशों में अपनाई जा रही आधुनिक तकनीकों पर अमल करने को कहा है। जिलाधिकारी ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वनाग्नि की दृष्टि से अति संवेदनशल स्थानों/जोन को चिन्हित करते हुए ऐसी जगहों पर वनाग्नि की रोकथाम का पुख्ता प्लान तैयार करें। जिलाधिकारी ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन क्षेत्रों में पीरुल धरातल पर अधिक मोटी परत बना चुका है ऐसे स्थानो पर बिखरे पिरुल को टीले/डिप्से के रुप में अलग-अलग स्थानों पर सकत्रित करवाना सुनिश्चित करें। बैठक में डीएफओ गढ़वाल स्वप्निल अनिरुद्ध, डीएफओ सीविल सोयम पवन नेगी, एसीएमओ डॉ. पारुल गोयल, डीडीएमओ दीपेश काला, एसडीओ आईशा बिष्ट आदि उपस्थित थे।

सीपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट का विजेता बना चोपड़ाकोट

विजेता टीम को 71 हजार और उपविजेता टीम को 31 हजार व ट्राफी दी

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : जनपद पौड़ी, चमोली और अल्मोड़ा का प्रसिद्ध, चर्चित और लोकप्रिय क्रिकेट टूर्नामेंट चौथान प्रीमियर लीग (सीपीएल) के सातवां संस्करण का समापन हो गया है। लीग में तीनों जिलों की 36 टीमों ने प्रतिभाग किया। फाइनल मैच में चोपड़ाकोट ने धारकोट को हराकर सीरीज अपने नाम की। विजेता चोपड़ाकोट को 71 हजार और उपविजेता धारकोट को 31 हजार और ट्राफी दी गई।

सेमीफाइनल में चोपड़ाकोट, मैंखोली, ओसीएल धारकोट और पंचतोड़ा ने जगह बनाई। फाइनल मैच चोपड़ाकोट और ओसीएल धारकोट के मध्य खेला गया। पहले खेलते हुए चोपड़ाकोट ने निर्धारित 10 ओवर में 83 रन बनाये, जीत के लिए धारकोट को 84 रन बनाने थे, लेकिन लक्ष्य का पीछा करते हुए 10 ओवर में धारकोट 76 रन ही बना पाई और 7 रन से धारकोट को हराकर चोपड़ाकोट ने खिताब अपने नाम किया। बेस्ट बल्लेबाज कमल सिंह (धारकोट) को 21 सौ रूपये और ट्राफी, बेस्ट गेंदबाज देव सिंह (पंचतोडा) को 21 सौ रूपये और ट्राफी, बेस्ट विकेट कीपर रोहित (चोपड़ाकोट), बेस्ट क्षेत्र रक्षण कमल रावत (गंडीगांव), बेस्ट अपांयर भरत संगेला (पीपलकोट), मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार डब्बल सिंह (चोपडाकोट) को दिया गया। मैच का आंखों देखा हाल आनंद सिंह रावत, विनोद चौडियाल, सहयोगी कमेंट्री सोनू संगेला, भरत, शिशुपाल और केसर सिंह ने सुनाया। आयोजन में क्षेत्र के यूट्यूब भंडारी ब्लॉक, मनोज बिष्ट, भरत जैतवाल, संदीप शर्मा तथा सोशल मीडिया के माध्यम से अजय नेगी आदि ने लोगों तक पल-पल की जानकारी पहुंचाने में अपना महत्वपूर्ण सहयोग दिया। इस मौके पर मुख्य अथिति श्रीमती रजनी रावत (ग्राम सभा प्रधान भतपौ), अमर सिंह नेगी (जिला.प.स.) नवीन चंद जोशी, पुष्पेंद्र भंडारी, नंदन सिंह बिष्ट, लक्ष्मी देवी, कैप्टन दर्शन सिंह, बलवीर सिंह, घनश्याम सिंह, दिनेश सिंह, नारायण सिंह, रामसिंह पटवाल, मेहरबान सिंह, गब्बर सिंह, समिति संयोजक सुरेंद्र सिंह संगेला, उप संयोजक महावीर, अध्यक्ष योगी सगेला, मुकेश संगेला, महिपाल संगेला, महेंद्रपाल पटवाल सहित क्रिकेट प्रेमी उपस्थित रहे।

खनन प्रभावित क्षेत्रों में 348.97 लाख की 14 विकास योजनाओं को दी गई मंजूरी

चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला खनिज फाउंडेशन न्यास निधि की शासी परिषद की बैठक हुई। जिसमें प्रबंधन समिति द्वारा पूर्व में संस्तुत किए गए उच्च प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत 208.35 लाख के 05 विकास कार्यों और अन्य प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत 140.62 लाख के 09 विकास कार्यों का अनुमोदन किया गया। इस दौरान जिला खनिज न्यास निधि के अंतर्गत प्राप्त आय व्यय पर भी चर्चा की गई।उन्होंने कहा कि शासी परिषद के सदस्यों से जो भी सुझाव प्राप्त हुए हैं उसके आधार पर जिला खनिज संस्थान न्यास मद की राशि का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पेयजल, कौशल विकास जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए किया जा रहा हैं। बैठक में खनन प्रभावित उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्र के अंतर्गत मैठाणा में खेल मैदान के समीप हाट बाजार एवं कैंटीन निर्माण, खेल मैदान स्टेज एवं चाहरदीवारी, जूनियर कन्या विद्यालय हरमनी में चाहदीवारी, रबाइका गौचर में बॉन्डरी वॉल, कर्णप्रयाग शक्तिनगर में नाला निर्माण की योजनाओं का अनुमोदन किया गया। अन्य प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत लंगासू-ग्वाड-बणसोली-मैखुरा मोटर मार्ग पर किलोमीटर 14 व 15 में सुरक्षा दीवार एवं नाली निर्माण, लाता और हेलंग में आवासीय भवनों व कृषि भूमि का सुरक्षात्मक कार्य, नंदानगर में बाढ सुरक्षा कार्य, कुलसारी में कटाव से सुरक्षात्मक कार्य, ईणा बधाणी गांव में नाला निर्माण, बैनोली के शिव मंदिर व कृषि भूमि पर बाढ़ सुरक्षा कार्य, थराली नासिर बाजार में बाढ़ सुरक्षा कार्य का अनुमोदन किया गया।

उत्तराखंड लागू करेगा देश की प्रथम योग नीति : धामी

10वीं विश्व आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो-2024 में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि प्रदेश सरकार देश की 'प्रथम योग नीति' लागू करने की दिशा में कार्य कर रही है। योग नीति आयुर्वेद और योग को व्यापक स्तर पर साथ लाकर स्वास्थ्य के क्षेत्र में नई क्रांति लाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

गुरुवार को परेड ग्राउंड में आयोजित 10वीं विश्व आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो-2024 को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने देहरादून में इस आयोजन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ये हमारे लिए गर्व का विषय है कि प्रदेश में आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में 50 से अधिक देशों के प्रतिनिधि और 6000 से अधिक विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। एक्सपो में लगाए गए 250 से अधिक स्टॉल आयुर्वेद की वैश्विक स्तर पर स्वीकार्यता का प्रमाण दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन आयुर्वेद के क्षेत्र में परस्पर ज्ञान साझा करने व विभिन्न शोध कार्यों को बढ़ावा देने के साथ-साथ सहयोग और व्यापार के नए अवसरों को बढ़ावा देगा। उन्होंने आयुष के क्षेत्र में प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन से राज्य सरकार भी प्रदेश में आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। वर्तमान में हमारे राज्य में आयुष आधारित 300 'आयुष्मान आरोग्य केंद्रों' का संचालन हो रहा है। ई-संजीवनी पोर्टल के माध्यम से 70 से अधिक विशेषज्ञों द्वारा आयुष परामर्श प्रदान किया जा रहा है। अब प्रत्येक जनपद में 50 बेड और 10 बेड वाले आयुष चिकित्सालयों की स्थापना की जा रही है। इसके अलावा सरकार प्रत्येक जनपद के एक गांव को मॉडल आयुष गांव के रूप में स्थापित कर आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के उत्पादन को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार आयुष निर्माण, वेलनेस, शिक्षा, शोध और औषधीय पौधों के उत्पादन को गति प्रदान करने के लिए 'उत्तराखंड आयुष नीति' लागू कर चुकी है।

इसके साथ ही प्रदेश सरकार आगामी वर्षों में आयुष टेली-कंसल्टेशन प्रारम्भ करने के साथ–साथ 50 नए योग और वेलनेस केंद्र स्थापित करने हेतु प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। कार्यक्रम में भारत सरकार के आयुष मंत्रालय में सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, प्रेमचंद अग्रवाल, डॉ. धन सिंह रावत, विधायक खजान दास, सविता कपूर, उमेश शर्मा काऊ किशोर उपाध्याय, झांसी के सांसद अनुराग शर्मा, आचार्य बालकृष्ण प्रमुख तौर पर शामिल हुए।

उत्तराखंड में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान का प्रस्ताव

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार ने उत्तराखंड में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की स्थापना के लिए भारत सरकार के आयुष मंत्रालय से अनुरोध किया है, ये संस्थान आयुर्वेद शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने विशेषज्ञों से आह्वान करते हुए कहा कि हमारी जड़ी-बूटियों के हिंदी नामों के साथ ही अंग्रेजी नामों को भी प्रचारित किया जाए। इससे स्थानीय जड़ी बूटियों की वैश्विक बाजार तक पहुंच आसान हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहाड़ में हम 'किलमोड़े' को जानते है लेकिन उसके अंग्रेजी नाम 'बेरीबेरीज' को अधिकतर लोग नहीं जानते हैं जबकि इस नाम को पूरा विश्व जानता है और इससे दवाएं बनती हैं। इसलिए अंग्रेजी नाम भी प्रचारित किया जाना चाहिए।

उत्तराखंड आयुर्वेद की प्रज्ञा भूमि

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड प्राचीनकाल से ही आयुर्वेद और औषधीय संपदा की प्रज्ञा भूमि रही है। हमारे प्रदेश में पाए जाने वाली औषधीय जड़ी-बूटियों ने आयुर्वेद को आरोग्य के आधारभूत तत्व के रूप में स्थापित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद विश्व की एक ऐसी विशिष्ट चिकित्सा प्रणाली है जो प्राचीनकाल से ही मानव सभ्यता का आरोग्य सुनिश्चित करती आ रही है। आयुर्वेद मात्र जड़ी-बूटियों और औषधियों तक ही सीमित नहीं है बल्कि आयुर्वेद जीवन जीने की एक विशिष्ट कला है। ये हमें सही जीवन शैली के बारे में बताता है, इसका उद्देश्य रोगों को ठीक करना ही नहीं है बल्कि इसका अंतिम लक्ष्य रोग को होने ही न देना है। मुख्यमंत्री ने एक्सपो का विधिवत शुभारंभ करने के बाद स्टॉल का भी निरीक्षण किया।

एक छत के नीचे मिलेगी आयुर्वेद की दवाएं

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रताप राव जाधव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस साल के दौरान आयुष के क्षेत्र में हुई पहलों से आयुष उत्पाद निर्माण में आठ गुना बढ़ोत्तरी हुई है। अब आयुष और हर्बल उत्पाद विश्व के 150 से अधिक देशों में निर्यात हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद भी अब आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग उपकरणों के जैसी तकनीकी को अपना कर आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कहा कि भारत में लोग सामान्य तौर पर आयुर्वेद से उपचार पसंद करते हैं, लेकिन गांव देहात में तक डॉक्टर एलोपैथिक दवाओं का ज्यादा परामर्श देते हैं। ऐसा शायद इसलिए होता है क्योंकि आयुर्वेद की एक तो दवा कम है, फिर सारे रोगों की सारी दवाएं एक ही जगह पर मिलनी तकरीबन मुश्किल होती हैं। इसलिए केंद्र सरकार सभी जिला, तहसील और गांव स्तर पर एक ही छत के नीचे आयुर्वेद की सभी दवाएं उपलब्ध कराने के लिए आयुष औषधि केंद्रों की स्थापना करने का प्रयास कर रही है। ऐसा पहला केंद्र दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में शुरू हो चुका है। देशभर में ऐसे केंद्र खुलने से आयुष चिकित्सक परामर्श में आसानी से दवा लिख सकेंगे। उन्होने कहा कि विश्व आयुर्वेद कांग्रेस नवीन विचारों, प्राचीन संस्कृति और नवाचारों का संगम साबित होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चार दिनों तक चलने वाले इस आयोजन के दौरान आस पास के हजारों लोग यहां स्टॉल का भ्रमण करेंगे। यह आयोजन व्यावसायिक अवसरों के लिए भी मंच प्रदान करता है।

बीआईएस निदेशक सौरभ तिवारी ने की राज्यपाल से भेंट

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से गुरुवार को राजभवन में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के निदेशक सौरभ तिवारी ने भेंट कर उत्तराखण्ड में चलाए जा रहे अभियान और कार्यक्रमों की जानकारी दी।

इस दौरान राज्यपाल ने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो गुणवत्ता, मानकीकरण और उपभोक्ता सुरक्षा के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने बीआईएस के कार्यों की सराहना करते हुए इसे उद्योगों, उपभोक्ताओं और शिक्षण संस्थानों के साथ अधिक व्यापक स्तर पर जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। राज्यपाल ने कहा बीआईएस विभिन्न विभागीय अधिकारियों, ग्राम प्रधानों, स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों को भी मानकों के महत्व के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें जिससे सभी लोग इसके बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। राज्यपाल ने कहा कि बीआईएस को स्थानीय उत्पादों, विशेष रूप से उत्तराखण्ड के जैविक और पारंपरिक उत्पादों, को मानक प्रदान करने के लिए काम करना चाहिए। यह कदम उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने और उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में पहचान दिलाने में सहायक होगा। उन्होंने महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के मानकीकरण, गुणवत्ता और वैल्यू एडिशन में सहयोग करने को भी कहा।

नेशनल साइकिलिंग में आयुष ने जीता रजत पदक

देहरादून। देहरादून के आयुष नेगी ने ओडीशा में हुई 29वीं सीनियर, जूनियर एंड सब जूनियर रोड साइकिलिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। साइकिलिंग में पदक जीतने वाले वो उत्तराखंड के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता 07 से 10 दिसंबर तक पुरी ओडीशा में आयोजित हुई। इसमें उत्तराखंड के 40 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। आयुष देहरादून में बंजारावाला के रहने वाले हैं, वर्तमान में वो दून विश्वविद्यालय से बीएससी की पढ़ाई कर रहे हैं। इससे पहले माउंटेन बाइकिंग में वो एक स्वर्ण और दो कांस्य पदक जीत चुके हैं। उनकी सफलता पर उत्तराखंड साइकिलिंग एसोसिएशनक के अध्यक्ष विमल चौधरी, सचिव देवेश पांडेय ने हर्ष जताया है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com